सोच समझकर पढ़ना क्योंकि तुम्हारी सारी धारणाऐं टूटने वाली है।
यह पुस्तक तुम्हारी नीवें हिला देगी।

PARMATMANA

यह अध्यात्म है ! हिन्दू-मुस्लिम होना नहीं ?

By The Parmatmana World

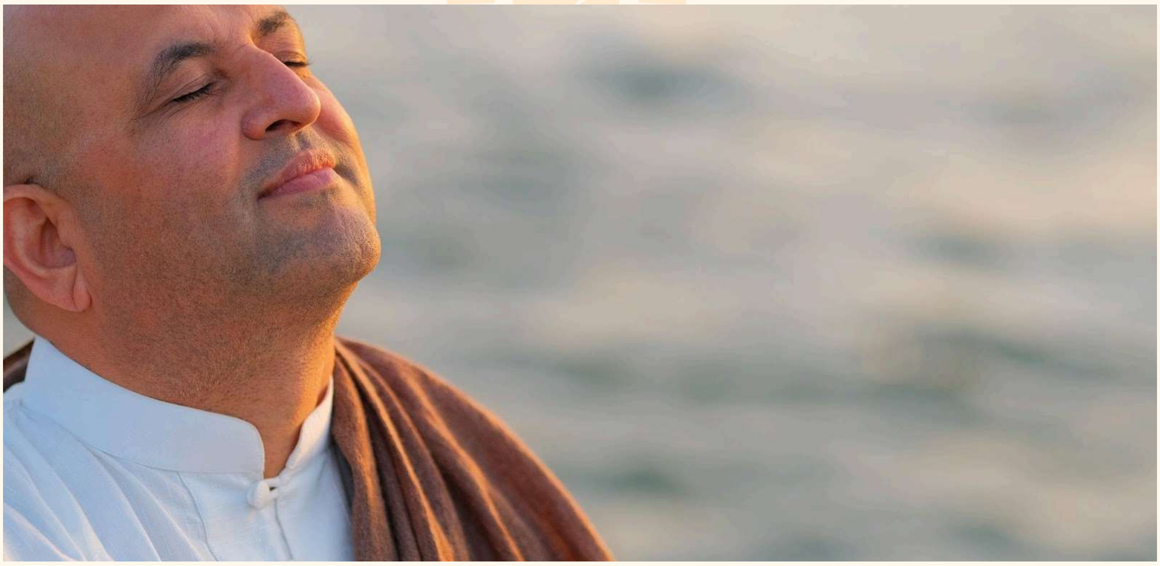

welcome in the ground of True Religion.

Here we are providing some important questions about the Religion. Kindly read carefully if you have another question in your mind you can send by mail. We will reply as soon as possible.

आत्मा का अस्तित्व है या नहीं?

जिस प्रकार की आत्मा का वर्णन तुम्हारे शास्त्रों में है ऐसा कोई भी अस्तित्व नहीं है। वह कुछ और ही है तुम देख तो सकते हो लेकिन तुम उसे पुस्तकों में से पढ़कर कुछ भी नही समझ सकते हो।

बस इतना ही सूक्त है!

जिस दिन तुम्हें यह पृष्ठ पढ़ना आ जाए

तो मानना तुम अध्यात्म में पारंगत हो गए।

parmatmana
the ultimate wisdom

संसार का स्वरूप क्या है? क्या यह स्थिर है या परिवर्तनीय?

तुम्हारी सारी कल्पनाओं का नाम ही संसार है। और जो-जो मूढ़ता भरी कहानियां तुमने सुन रखी है अपने-अपने धर्मो के विषय की उसका नाम संसार है। यह पेड़-पौधें, नदी-पवर्त, पशु -पक्षी आदि इसका नाम संसार नही है। और झूठ है तुम्हारी यह पंक्ति कि ब्रह्म सत्य जगत मिथ्या! सही सूत्र है!

जगत सत्य और ब्रह्म तुम!

parmatmana the ultimate wisdom

16/09/2024, 16:49 parmatmana book - Google Drive

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

क्या धर्म की निरंतरता है, या यह परिवर्तनशील है?

जिसे तुम धर्म कह रहे हो वो धर्म नहीं छलावा है। धर्म तो एक प्रकार के होश का नाम है तुम्हारे में घट गया तो तुम धार्मिक। और जब किसी को होश आ जाता है तो वह कम या ज्यादा नहीं होता।

और निरंतरता!

तो धर्म नहीं यह जगत का होना और तुम्हारा होना निरंतरता है।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

निर्वाण की प्राप्ति कैसे होती है और यह क्या है?

निर्वाण कोई मरने के बाद होने वाली उपलब्धि नहीं होती। तुम्हारा आज में उपस्थित होने का नाम ही निर्वाण है। और तुम्हारा भूत-भविष्य में होने का नाम ही बंधन है। इसी को प्रबुद्ध जनों ने महानिर्वाण कहा है।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

संसार की उत्पत्ति और इसका कारण क्या है?

वस्तु में गति और परिवर्तनशील होने के कारण अणु ने अपने जैसे अणुओं का विस्तार किया और अरबों वर्ष बाद जो हमें दिख रहा है यह उस एक अणु का ही स्वरूप है। अणु आज भी खिल रहा है उसका अंत कभी भी नही है। और इसका कारण-कुछ भी नहीं है। पक्षियों के गाने का, फूलों के सुगन्धित होने का, नदियों के संगीत का, फलों के मीठे होने को और मेरा तुम्हें समझाने का कोई भी कारण नहीं है। यह सभी अकारण है।

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

भौतिक वस्तुओं की स्थिति और उनकी वास्तविकता क्या है?

कोई भी वस्तु स्थिर नहीं होती। तुम्हारे प्रयोग में जो आ जाए वो तुम्हारे लिए वास्तविक है। जैसे लकड़ी में आग हजारों वर्ष पहले भी थी लेकिन आदि मानव के लिए आग वास्तविक नही थी। तुम्हारे में भी वही आत्मा विद्यमान है जो बुद्धों में होती है लेकिन बुद्धों के लिए आत्मा वास्तविक और तुम्हारे लिए कल्पना मात्र।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

कर्म का प्रभाव किस प्रकार से कार्य करता है?

तुम्हारे सबकॉन्शियस में जाकर तुम्हारे ही चारों तरफ सुख और दुख पैदा करता है। और उसके अलावा कहीं कोई व्यक्ति नहीं बैठा है जो तुम्हारे कर्मों के पाप-पुण्य का हिसाब रख रहा है।

parmatmana the ultimate wisdom

16/09/2024, 16:49 parmatmana book - Google Drive

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

ध्यान और साधना का क्या महत्व है और यह कैसे काम करता है?

ध्यान का जो तात्पर्य तुम सभी ने आंखें बंद कर मौन होने से मान लिया है वह त्रुटिपूर्ण है। ध्यान का मतलब बाहर की आंखें बंद कर मौन नही रहना है बल्कि बुद्धि से मौन होना है। यानी निर्विचार होना है। और निर्विचार होना ध्यान है और उस निर्विचार होने की विधि का नाम साधना है।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

सुख और दुख के स्रोत और उनके संबंध क्या है ?

तुम्ही उसके स्रोत्र हो। तुम्हारा होना ही दुख है और न होना ही सुख है। जैसे तुम्हारें उपर आज 10 किलों की सोने की सिल्लियां लाद दी जाए और कहां जाए कि यह तुम्हारी है ले जाओं तो तुम सुख मानोगें और सोचों अगर हमारी दुनिया में सोना इतना होता कि सड़कों के किनारे सोने के कूडें के ढेर लगें होते तो उस समय जब तुम्हारे उपर 10 किलों की सोने की सिल्लियां लादी जाती तो तुम उसी का दुख मानतें।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

विवेक और अज्ञान के बीच अंतर क्या है?

इसका उत्तर कोई दूसरा तुम्हें समझाएगा भी तो तुम्हारे लिए व्यर्थ ही होगा। ध्यान करो, विवेक आएगा तो अज्ञान का पता चल जाएगा। वैसे अज्ञान नामक कोई वस्तु नहीं होती। जैसे अंधकार नामक कोई वस्तु नहीं है केवल प्रकाश का न होना ही अंधकार है। ऐसे ही विवेक का, ज्ञान का, बोध का, प्रज्ञा का न होना ही अज्ञान है।

parmatmana
the ultimate wisdom

16/09/2024, 16:49 parmatmana book - Google Drive

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

मुक्ति प्राप्त करने के साधन और विधियाँ क्या है ?

मुक्ति प्राप्त करने की विधि या साधन कोई नही होते। हॉ! बंधन में बंधने की विधि या साधन जरुर होते है।

जैसे स्वास्थ्य प्राप्त करने की कोई भी औषधि नही होती। हाँ ! बीमारी हटाने की औषधि जरूर होती है। और जब औषधि खा ली जाती है बीमारी ठीक हो जाती है तो जो बचता है उसी का नाम स्वास्थ्य है।

ऐसे ही जब बंधनों को पहचान लिया जाता है और बंधनों से दूरी बना ली जाती है तो जो होता है उसी का नाम मुक्ति है।

parmatmana
the ultimate wisdom

16/09/2024, 16:49 parmatmana book - Google Drive

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

सम्यक दृष्टि का क्या अर्थ है और यह कैसे प्राप्त की जाती है?

सम्यक यानी सम दृष्टि, यानी एकी भाव। यानी लाभ-हानि से परे का भाव। और स्वयं के मिटने के बाद ही यह प्राप्त होती है। बस यह ध्यान रखना जिसको यह प्राप्त होती है वह ही नहीं रहता। अब तक यहां जितने भी प्रश्नों के उत्तर दिए है यह सभी स्थिति स्वयं के मिटने के बाद ही प्राप्त होती है।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

सम्यक वाणी का क्या महत्व है और यह कैसे प्रभावी होती है?

तुम्हारे मिटने से जो आचरण उत्पन्न होगा उस से जो तुम बोलोगे उसी का नाम सम्यक वाणी होता है।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

सम्यक आचरण के सिद्धांत क्या है और इसे कैसे अपनाया जाता है ?

यानी समता का व्यवहार। लेकिन इसका तात्पर्य दूसरों के साथ व्यवहार करना कम और अपने साथ व्यवहार करना ज्यादा है। धर्म दूसरे से व्यवहार, आचरण, बोलचाल आदि का नाम नहीं है। धर्म तो नाम है स्वयं के ठीक होने का। अगर तुम ठीक हो गए तो सभी कृत्य भीतर और बाहर के स्वयं धार्मिक हो जाएंगे।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

धर्म क्या है? क्या हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई होना धर्म नहीं है?

धर्म नाम है तुम्हारे भीतर की वीणा के बजने का, तुम्हारे भीतर संसार के प्रति प्रेम के पैदा होने का। और जो मार्ग है उस प्रेम तक पहुँचने के उनका नाम है हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई ।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

ब्राह्मण का क्या तात्पर्य है?

ब्राह्मण बना है ब्रह्म धातू से यानि जिसने ब्रह्म का साक्षात्कार कर लिया, जिसने ब्रह्म का अनुभव कर लिया, जिसने ब्रह्म को जान लिया और जो स्वयं ब्रह्म हो गया वो ही ब्राह्मण।

इस शब्द का जन्म से ब्राह्मण के घर पैदा होने से कोई भी लेना-देना नहीं है। वो तो जो आग में जलकर कुन्दन नहीं होना चाहता वो स्वयं को जन्म से ब्राह्मण मानकर संतुष्ट हो जाता है लेकिन वो ब्राह्मण नहीं होता।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

ब्राह्मण कैसे हुआ जाता है?

मैं को मारो अगर तू को पैदा करना है। ब्रह्म बनने के लिए मैं रुपी अहंकार को मारना होता है। यह सूक्त शास्त्रों में दिया गया है। नेति-नेति का सिद्धान्त तुम सभी ने पढ़ा होगा। यानी ये नही ये नही। लेकिन अज्ञानता वश लोगों ने इसका अर्थ हाथ-पैर, सिर और शरीर से ले लिया है। नहीं! -इसका सही अर्थ है मैं ब्राह्मण-शूद्र आदि जाति नहीं, मैं पुण्यात्मा-पापात्मा नहीं, मैं ऊंच-नीच नहीं, मैं हिन्दू-मुसलमान नहीं। यानी मैं कुछ भी नहीं। फिर जो बचता है वही ब्राह्मण है और वह ब्रह्म ही तो ब्राह्मण है।

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

ब्राह्मण ब्रह्मा के मुख से और शूद्र जंघा से पैदा हुए क्यों? और यह अवधारणा किसने और क्यों रची?

ये कहानियां उन लोगों ने रची जिन्हें कुछ भी ज्ञान नहीं था। हम सभी एक ही ज्योति से पैदा हुए है सिख धर्म में नानक की पंक्ति है " एक नूर से सब जग उपजा कौन भले कौन मन्दे "!

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

ब्राह्मणों का जाल कैसा है?

ब्राह्मणों के जाल से हिन्दू ब्राह्मण से तात्पर्य नहीं है ब्राह्मणों के जाल का तात्पर्य है उन लोगो से जो दूसरो को अपनी सोच के अनुसार चलाकर अपना उल्लू सीधा कर स्वयं को पूजवाना चाहते है और ऐसे लोग हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई या दुनिया भर में फैले सभी 365 प्रकार के धर्मों में पाए जाते है और ऐसे ही सभी राजनेता होते है। तो जाल का मतलब है कि वो विचारधारा जो यह कहती है कि तुम कुछ मत सोचो जैसा मैं समझाऊं वैसा ही करें यह सोच रखने वाले लोगों के जाल का नाम है ब्राह्मणों का जाल। इसका केवल हिन्दू धर्म से जोड़ना नाइंसाफी होगा।

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

ब्राह्मणों का जाल कैसे कटेगा?

लागो को बुद्धि द्वारा अपना हर कृत्य सोच समझकर ही करना चाहिए। हमें हर किसी को हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई या दुनिया भर में फैले सभी 365 प्रकार के धर्मों वाले लोगों को यह विचारधारा रखनी होगी कि धर्म से ज्यादा महत्वपूर्ण शिक्षा है और समाज में प्रेम, करुणा, दया, समानता की भावना, आर्थिक समानता का होना है। केवल इस सोच से ही यह जाल कट सकता है।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

क्या भारत जगत गुरु है? अगर हां तो कैसे?

यह भ्रम केवल भारत के लोगों को ही है यह कहना गलत होगा। पूरी दुनिया में हर देश वाला, हर धर्म वाला, हर सम्प्रदाय वाला इसी प्रकार का कुछ न कुछ भ्रम पाले हुआ है। यह एक प्रकार का अहंकार ही है और इसके पीछे भारत की महानता का गुणगान कम और अपनी महानता से अपनी छाती फुलाने का भ्रम ज्यादा है। मैं भी अमुक देशवासी होने के कारण महान हुआ बस इसी भ्रम के कारण हम सभी अपने-अपने देश की महानता के डंके बजाए रहते है। अमेरिका का नागरिक यह सोचता है कि मेरा देश दुनिया में नम्बर 1 है। जापानी यह सोचता है कि हम टेक्नालाजी में नम्बर 1 है। पाकिस्तानी ने तो अपने देश को नाम ही पाक स्थान यानी पवित्र स्थान रख दिया।

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

क्या भारत देव भूमि है? किसको और कैसे ज्ञात हुआ?

यह भी मनुष्य ने अपने अहंकार के कारण ही मान रखा है। हर देश वाला अपने देश के डंके किसी न किसी रूप में बजाता है। 1947 से पहले हम मानते थे कि आज का पाकिस्तान भी उस समय देव भूमि था लेकिन आज हम नहीं मानते। आज से 700-800 वर्ष पहले हिंदुस्तान आज की तुलना में दोगुना से भी ज्यादा बड़ा था उस समय हम जिस पूरे हिस्से को देव भूमि मानते थे लेकिन आज वो हिस्सा पाकिस्तान, अफगानिस्तान, तालिबान आदि बन चुका है। यानी आज वह स्थान जो 700-800 वर्ष पहले देवस्थान थे वो आज नही है। तो देव भूमि एक भ्रम है।

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

भारत में देवता भी पैदा होने को क्यों तरसते हैं?

यह कहानियां मात्र है देवता शरीर नहीं होता। देवता तो एक गुण है। अगर आपके भीतर करुणा, दया, समानता की भावना, प्रेम आदि के गुण है तो आप देवता है और अगर आपके भीतर हिंसा, क्रोध, अहंकार की भावना है तो आप दानव है। मेरी दृष्टि में तो आज को अगर देखे तो दुनिया भर में दानव ही पैदा होने को तरसते है।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

33 करोंड़ देवी देवता की अवधारणा क्यों और किसने बनाई?

जिस किसी प्रबुद्ध ने, ज्ञानी ने, जाग्रत ने यह अवधारणा बनाई थी उसे उस समय के लोगो में जिनकी जंनसख्या लगभग 33 करोड़ थी उसे उन सभी में देवी-देवता ही दिखते थे तो उस बुद्ध ने कह दिया था कि 33 करोड़ देवी-देवता है। लेकिन लकीर के फकीर लोगों ने 33 करोड़ मूर्तियां समझ लिया। क्योंकि उन्होनें सभी में देवी-देवता की भावना को नही समझा। और जम्मू में रघुनाथ मन्दिर बना 33 करोड़ को ही सही ठहरानें लग गए।

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

क्यों हमारे धर्म गुरु मृत्युलोक की निंदा करते हैं?

क्योंकि उन्हें यहा सुख, आन्नद, उत्सव, नृत्य, प्रेम नही दिखा। उसे यहां दुख, वेदना, पाप, कष्ट ही दिखा तो उन्होंने स्वर्ग, जन्नत या अन्य लोको की कल्पनाऐं गढ़ ली कि उन्हें वहां जाकर सुख मिलेगा। लेकिन मेरी दृश्टि में जीवन से बडा आन्नद और कहीं नही है।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

गरीब-अमीर प्रारब्ध के कर्म के कारण बनता है क्या?

नही! यहां कभी कोई भी वस्तु दुबारा नही होती। एक पत्ता भी दुबारा नहीं होता तो मनुष्य कहां से दोबारा होगा। उन्होंने कुछ न करने की अवधारणा पाली है और जो आलसी है जीवन को बदलना नहीं चाहते है वो ऐसी मूर्खता भरी सोच पाल लेते है। या वो सभी धर्म गुरु जो भोली-भाली जनता से पुण्य कर्मो के नाम पर दान लेना चाहते है वो सभी अगले जन्मों में तुम्हारा प्रारब्ध ठीक बने उसी मूर्खता के कारण ऐसी धारणाओं की कहानियां रच देतें है।

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

स्वस्थ या बीमार बच्चे के जन्म के पीछे क्या कारण है एक धार्मिक मत के अनुसार वो पिछले जन्मों के लेनदेन के कारण आता है क्या यह सही है?

नही! यहां संसार में भी फसल आदि का बीजारोपड़ एक निश्चित समय होता है अगर उससे आगे-पीछे बीज धरती में डालोगें तो फसल अच्छी नही आएगी। उसी प्रकार बच्चें के पैदा करने के बीज का सही समय रात 10 से 12 बजे के बीच होता है इसके अलावा गलत समय में अगर बीज डालोगें तो बच्चें बीमार, विक्लागं, या मंद बुद्धि आदि ही पैदा होगें। और हमारे देश में पति-पत्नी के मिलन को प्रेम की दृष्टि से न देखकर काम यानी गलत कृत्य की दृष्टि से देखने को कहा गया है इसी कारण जब पति-पत्नी प्रेम मग्न होते है तो उनके मन में प्रेम या पुण्य की सोच न होकर पाप या गलत काम की सोच ही होती है इसी सोच के कारण बच्चा मानसिक या शारीरिक बीमार पैदा होता है।

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

ईश्वर का क्या स्वरूप है?

पहले यह समझना आवश्यक है कि ईश्वर कौन है? ईश्वर व्यक्ति नही है न कोई 8-10 हाथ वाला महामानव है। ईश्वर तुम्हारे जीवन का नाम है तभी को कहते है कि ईश्वर का माता-पिता नही है, ईश्वर कभी मरता नही है, कभी बूढ़ा नही होता। अब यह सभी धारणाऐं जीवन के उपर लगा कर देखों। तो पाओगें कि जीवन का ही दूसरा नाम ईश्वर है, परमात्मा है, खुदा है। तुम मरते हो लेकिन जीवन किसी न किसी रुप में जिन्दा ही रहता है। नदी, पर्वत, वायु, अग्नि, धरती, सभी में जीवन विद्यमान है।

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

ईश्वर, परमात्मा, खुदा क्या भिन्न-भिन्न व्यक्ति है?

नही!

यह व्यक्ति ही नहीं है। यह तो तुम्हारे जीवन का ही स्वरूप है तुम जिंदा हो तो खुदा जिन्दा है ईश्वर और परमात्मा जिन्दा है। लेकिन तुम्हारे साथ अडचन यह है कि इस प्रकार के प्रश्न तुम केवल मरी हुई पुस्तकों से या मंद बुद्धि वाले भिखारी महात्माओं से ही सुनना पसंद करते हों। और मजे की बात यह है कि दोनों को ही नही ज्ञात। एक बार यह गाना सर्च करें और उसे 100 बार सुन लो परमात्मा, खुदा, भगवान, अल्लाह और तुम! सभी कुछ समझ आ जाएगा।

" तुम एक गोरख धंधा हो"

16/09/2024, 16:49 parmatmana book - Google Drive

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

इस जगत का असली मालिक कौन? खुदा या भगवान?

तुम!

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

भारत धर्म प्रधान देश है फिर भी गरीब क्यों?

क्योंकि तुम सभी ने धर्म की परिभाषा ही गलत कर ली है। धर्म का तात्पर्य हिन्दू-मुस्लिम होता ही नहीं। धर्म का तात्पर्य होता है नृत्य, आनंद, सुख, उत्सव, प्रेम। लेकिन जब से तुम सभी के तथाकथित धर्मों की बागडोर भूखे, नंगे, भिखमंगे लोगों ने छीन ली है तब से उन्होंने धर्म का मतलब ही बदल दिया है और उसी गलत धारणा के कारण पूरा देश उल्टी ही दिशा मे चल दिया है और इसलिए ही देश गरीब है। अगर धर्म का सही अर्थ न समझा तो इस देश का भविष्य हमेशा ही अंधकार में रहेगा।

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

भारत को किस देवी-देवता की पूजा करनी चाहिए जिससे भारत अमीर सुखी और खुशहाल हो सके?

तुम सभी देवी-देवता हो तो तुम्हें एक दूसरे से प्रेम करना चाहिए एक दूसरे का सम्मान करना चाहिए। एक दूसरे के जीवन स्तर को ऊपर उठाना चाहिए। तभी भारत या पूरा संसार अमीर और खुशहाल हो सकेगा। और यही धर्म का सार है और इसी को ब्रह्म वाक्य कहते हैं।

parmatmana
the ultimate wisdom

16/09/2024, 16:49 parmatmana book - Google Drive

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana the ultimate wisdom

भारत का इतिहार 5500 वर्ष पुराना फिर भी भारत पिछड़ा और दूसरी तरफ अमेरिका का इतिहास 350 वर्ष पुराना फिर भी दुनिया में न0 1 क्यों?

क्योंकि भारत की छाती पर अज्ञानता ने कब्ज़ा कर लिया है। भारत ने सोच पाली हुई है कि अमीर-गरीब प्रारब्ध कर्मो के कारण होता है जोकि पूर्णत्या गलत है। जब तक तुम अपना भविष्य अपने हाथ में नहीं लोगे तब तक भारत गरीब और पिछड़ा ही रहेगा।

parmatmana
the ultimate wisdom

16/09/2024, 16:49 parmatmana book - Google Drive

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

क्या मृत्यु के समय 1000 बिच्छू के डंक की सी पीड़ा होती है? जैसा शास्त्रों ने कहां है?

नही! यह वचन किसी नासमझ व्यक्ति ने कहा है। मरते वक्त व्यक्ति को केवल एक ही दुख होता है कि हाय! कितना सुन्दर जीवन मिला था और मैं जीने से चूक गया और कुछ मकान दुकान बनाकर या बैंक भरकर जीवन को व्यर्थ गंवा दिया और यू ही बिना जिए ही मर रहा हूं। बस इस पछतावे की पीड़ा होती है।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

क्या यमदूत होता है? अगर हां तो क्या स्वरूप है उसका?

हाँ! वो बिल्कुल तुम्हारें धर्म गुरुओं की भांति होते है। यही उनका स्वरुप है। उन्में से कोई भगवा पहने होता है, कोई तिलक लगाकर जौकरों जैसी टोपी पहनकर बाग बाबा बन जाता है कोई पीले कपड़े पहनकर बीमार आनंद बन जाता है, कोई जोकर रूदाचार्य नाम रख मूर्ख बनाता है। कोइ जाली टोपी लगाए उंचा पजामा पहन कंधें पर हरा गमछा डाला दिखता है। कोइ नीली पगडी बांधें, कोई क्रोस धारण किए तुम्हारी ही प्रतीक्षा में खड़ें है।

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

जन्नत या स्वर्ग में कौन-कौन सी सुख-सुविधा होती है?

जो-जो सुख सुविधाएं तुम्हें यंहा भोग करने को मना की जाती है और वो सभी मूढ़ताएं जो-जो तुमने संजोई है वो सभी होती है। और चिंता मत करो ये केवल तुम्हारे लिए ही होती है। तो 10 - 15 अप्सराये और 72 हूरें सभी तुम्हारा ही इंतजार कर रही है। बस तुम्हारी मरने की ही देर है।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

स्वर्ग में अप्सरा किस प्रकार के वस्त्र पहनती है ?

वो स्वर्ग बिलकुल जर्मनी जैसा है वहां सभी अप्सराये बिकनी पहनकर ही घूमती है।

parmatmana
the ultimate wisdom

16/09/2024, 16:49 parmatmana book - Google Drive

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

https://docs.google.com/document/d/1tbR4zkJ_xRcz2O3LWGJ8IA1R6sj5J44vSoYkuFrQb_E/edit 75/616

क्या अप्सराओं की उम्र 16 वर्ष से अधिक नहीं बढ़ती है?

हां!

क्योंकि तुम सभी के धर्मों में सभी धर्म गुरु 16 वर्ष से ऊपर की लडकी के साथ सम्भोग करना ही नहीं चाहतें। इसलिए उन सभी ने अप्सराओं की उम्र बढने ही नहीं दी। और जन्नत में भी हूरों की उम्र बढने नही दी।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

हम कहां से आते है और कहां जाते है?

यह प्रश्न अभी भी बना हुआ है मेरे मत से हम प्रकृति से आते है और प्रकृति में ही विलीन हो जाते है कहीं आते जाते नहीं। बस प्रकट और अप्रकट ही होते है।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

सत्य क्या है?

तुम्हारा होना ही सत्य है और बाकी सभी असत्य है।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

आत्म ज्ञान क्या है?

स्वयं को पहचानना।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

बुद्धतत्व किसे कहते है?

आंखों का खुल जाना। और इसका बौद्ध धर्म से अन्य किसी भी धर्म से कुछ भी लेना-देना नहीं है। जिसको हो जाता है कहीं भी हो जाता है इसका मंदिर - मस्जिद से भी कुछ लेना देना नहीं है।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

आत्म अनुभूति कैसे होती है?

मैं के मरने के बाद। अहंकार के तिरोहित होने के बाद। लेकिन ध्यान से अपनी मैं को मारना!

क्योंकि मुर्दा बोला नहीं करते और एक बार मैं मिटी तो फिर वहां कोई हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई नामक व्यक्ति भी नहीं बचेगा।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

ध्यान क्या है?

मन की मृत्यु के बाद जो अवस्था होती है उसे ही ध्यान कहा जाता है लेकिन सही अवस्था बताई नहीं जा सकती।

हाँ ! अनुभव जरूर की जा सकती है।

और जैसे ही मन मरता है तो विचार भी शून्य हो जाते है।

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

धार्मिक कौन और अधार्मिक कौन?

जिसे प्रेम से यथा स्थिती में जीना आ गया वो धार्मिक।

और जो अभी भी सोचता है कि वो मन्दिरों मस्जिदों में जाकर, काबा-काशी, आदि जाकर परमात्मा से या खुदा के आगे प्रसाद चढ़ाकर अपने हिसाब से सभी कुछ बदला लूंगा वो अधार्मिक।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

जीवन में क्या आवश्यक है पूजा या प्रेम?

प्रेम।

और पूजा तो प्रेम से बचने के उपाए है। तुम अपनी पत्नी, और बच्चों से प्रेम करते हो तो क्या कभी उनकी पूजा करने की सोची?

और तुम अपने ही देश के मूर्ख अनपढ़ राजाओं का मजबूरी में सम्मान करते हो तो क्या तुमने उनसे कभी प्रेम करने की सोची?

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

धर्म की जिस परिणीति को बुद्ध, महावीर, मोहम्मद, जीजस, नानक तथा कबीर ने छुआ, उसे आजतक कोई भी हिन्दू या मुसलमान क्यों नही छू पाया?

क्योंकि सभी इन महापुरुषों को पकड़कर इन्ही की पूजा करने लग गए कोई भी चला ही नहीं। मंजिल पूजा करने से नहीं चलने से मिलती है लेकिन बाहर संसार में काबा - काशी जाने से नही स्वयं की ओर चलने से।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

सबसे पहले दुनिया में बुद्ध और महावीर की मूर्तियां बनी तो हिन्दू की मूर्तियां दुनिया में सबसे पुरानी कैसे?

धर्मगुरुओं ने अपने-अपने रोजगार के लिए पुराने बुद्ध और महावीर के मन्दिरों को ही नया नाम देकर हिन्दुओं का मन्दिर घोषित कर दिया। तुम अब किसी भी पुराने मंदिर को इस दृष्टि से देखना कि कहीं उस मूर्ति में बुद्ध की मूरत तो नहीं दिख रही है तुम्हें समझ आ जाएगा।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana the ultimate wisdom

क्या मनु की बनाई हुई जाती व्यवस्था ठीक है?

हो सकता है उस समय शायद ठीक हो लेकिन आज के हिसाब से पूर्णतया गलत है। आज मनुष्य का बौद्धिक स्तर बहुत ऊपर उठ गया है आज उसी व्यवस्था को ही पालना मंदबुद्धि होने के लक्षण है। समय के साथ-साथ सब कुछ बदल जाना चाहिए। आखिर सभी सिद्धांत मनुष्य को सुखी करने के लिए बने थे मनुष्य की छाती पर पत्थर रखने के लिए नहीं।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

क्या शादी की मान्यता समाज में रहनी चाहिए?

नहीं। इससे समाज में हमेशा ही स्त्री का शोषण होता रहेगा। स्त्री पुरुषों को समानता का अधिकार होना चाहिए। और वो होगा शादी की मान्यता को रद्द करके।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

स्त्रियों को हर प्रकार से पुरुष के बराबर समानता क्यों नहीं मिलती?

क्योंकि स्त्रियां संघर्ष ही नहीं करती। दुनिया में कुछ भी भीख में नहीं मिलता अगर मिल भी जाए तो उसे भीख कहते है अधिकार नहीं।

समान्ता का अधिकार स्त्रीयों का हक है और हक लड़कर ही लिया जा सकता है।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

सारे शास्त्र पुरुषों ने रचे इसलिए समाज और समाज की व्यवस्था पुरुष प्रधान ही रही। तो क्या ये नारी के शोषण की व्यवस्था नहीं है?

बिलकुल है। तभी तो मैं कहता हूं कि पुरानी व्यवस्था गलत है उसे जला देना चाहिए। और कुछ नए बुद्धिजीवी लोगों को सामने आकर एक नए समाज की स्थापना करनी चाहिए।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

हिन्दू-मुस्लिम, सिख-ईसाई सभी धर्मों में विश्वास को ही महत्व दिया जाता है जबकि जिन्हे धर्म मिलता है वो आंखें खोलने को कहते है। ऐसा विपरीत वक्तव्य क्यों?

तुम स्वयं जब धर्म की खोज में चलोगे तभी पता चलेगा। जो चले उन्हें समझ आ गया कि धर्म क्या है और वो कैसे मिलता है और जो नहीं चले वो आंखें बंद किए पूजा ही करते रह गए और सत्य धर्म से चूक गए।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

क्या हिन्दू-मुस्लिम, सिख-ईसाई के सभी धर्म गुरु मिलकर समाज को धार्मिक और प्रेम पूर्वक रहने की प्रेरणा दे सकते है? अगर हां तो हजारों वर्षों से तो यह दे रहे है फिर भी समाज धार्मिक क्यों नहीं हो पाया? कहीं ऐसा तो नहीं कि यह तरीका ही ठीक न हों?

हां! लेकिन वो ही दे सकता है जिसने धर्म को जाना हो। लेकिन जो केवल थाली घुमा कर दान चढ़ावे को इकट्ठा कर धन बटोरना चाहता है उसे धर्म या प्रेम का पता ही नही वो कैस ऐसा ज्ञान देगा।

मैनें देखा कि कोई मुस्लमान होने को महत्व दे रहा है, कोई कृष्चिन होने को कह रहा है, कोई पीले कपड़ें पहनकर राधा जपने को महत्व दे रहा है कोई मरी हुई पुस्तकें पढ़कर स्वर्ग और नरक के चित्रण कर लोगों को भ्रमित कर रहा है। यह स्वयम् भ्रमित है यह कैसे समझाऐंगें?

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

हिन्दू धर्म के संन्यास का क्या लाभ है?

कोरी मूर्खता है। एक व्यक्ति घर-बार छोड़कर जंगल भाग जाता है पीछे से पत्नी बच्चों को भीख मांगने को मजबूर कर देता है। पत्नी वैष्या वृति को मजबूर हो जाती है और हम उनके इस भगोड़ा पन को धर्म कहते है? यानि हमारी भी आंखें बंद है। हमारे में भी बोध की कमी है। संन्यास का तात्पर्य होता है जो संसार तुमने कल्पनाओं में बनाया है स्वर्ग-नरक, अप्सराओं का भोग, जप-तप, व्रत, अनुष्ठान, धन, पद, प्रतिष्ठा के लोभ का पागलपन आदि। उनका त्याग। न कि पत्नी बच्चों का त्याग।

तभी तो देखों घर बार छोडकर ऐसे मूढ़ महात्मा लाखों शिष्यों के लोभ में पागल हो जाते है।

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

जैन धर्म में अभी-अभी कुछ छोटी उम्र के बच्चे घर-बार त्याग कर सन्यासी हो गए इस विषय पर क्या कहेगे?

अगर आज महावीर जिन्दा होते तो जूता उठाकर ऐसी सोच रखने वाले को मारते। प्रकृति ने जीवन दिया हम सभी को। अगर ऐसे ही मूर्खतापूर्ण कृत्य सही होते तो प्रकृति स्त्री-पुरुष ही न बनाती। और जैन धर्म में ऐसा होता है तो सुनो। जैन कोई धर्म ही नहीं है जैन तो एक विचारधारा है जो भी व्यक्ति अहिंसा का पालन करता है, समस्त जीवों के प्रति दया रखता है परिग्रही नही है वो जैन ही है। और नग्न होकर घूमना, मुहं पट्टी बांधना आदि से जैन होने का कोई भी लेना देना नहीं है।

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

आजकल जो पीले कपड़े पहनकर महात्मा बने बैठे है और लोगों को एक प्रकार से आपकी ही बाते बतलातें है उनके बारे में क्या कहेगें?

दूसरो की कही हुई बातों को दोहराने से तुम्हारा ही कोई लाभ होने वाला नही है तो दूसरों का कैसें होगा। आज तक करोड़ों मनुष्यों ने गीता, कुरान, बाईबल, ग्रन्थ दोहरा लिए क्या उनका लाभ हुआ? नही!

यह पीले, लाल, नीले, कपड़ें वाले सभी धार्मिक दिखने वाले महात्मा आदि केवल रोटी कमाने के उद्देश्य से ही दुकान खोले बैठें है। इनसे प्रश्न करों कि आप रोटी खाने के लिए क्या काम धंधा करते है तो सारी कहानी समझ आ जाएगी।

संसार में रहकर भगवान को, परमात्मा को, खुदा को जीया जाता है उसे जपा, रटा तथा पूजा नही जाता। और इसी जीने का नाम ही धर्म है।

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

कौन से कर्म पुण्य है? और कौन से कर्म पाप है?

जो कृत्य तुम आंखें खोलकर बोध पूर्वक करो वो सभी पुण्य है और आंखें बंदकर पूजा भी करो तो पाप ही है। करोड़ों लोग आंखें बंद कर गंगा स्नान करते है, काबा-कशी जाते है तुम्हें क्या लगता है वो पुण्य कर रहे है अगर पुण्य ही कर रहे है तो उनका जीवन सुखी क्यों नही हो रहा है?

महावीर ने कहां है कि असुत्ता मुनि, सुत्ता अमुनि।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

महात्मा बुद्ध के अनुसार परमात्मा कौन है ?

महात्मा बुद्ध कोई एक व्यक्ति नहीं है। जिसको भी बोध हो जाता है वहीं बुद्ध बन जाता है इसका बौद्ध धर्म से कुछ भी लेना देना नहीं है। और मेरी दृष्टि में जो जागा वही परमात्मा, खुदा, भगवान, अल्लाह।

इसका मतलब ये नही है कि जो नही जागा वो पशु या अज्ञानी है। नहीं! वह भी परमात्मा, खुदा, भगवान, अल्लाह ही है लेकिन उसके होने का उसे कोई भी लाभ नहीं है।

मानों एक व्यक्ति ने पूरे जीवन भीख मांगी और जब वह मरा तो उसी की झोपड़ी के नीचे खजाना गडा मिला। अब बताओं क्या हम कह सकेगें कि वो भिखारी नही धनवान था?

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

दुनिया में कौन सा धर्म अच्छा है?

जो तुम्हें सत्य का बोध करवा दें। लेकिन ध्यान रखना सत्य तुम्हारी हिन्दू-मुस्लिम की धारणाओं से पूर्णतया भिन्न होता है।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

परमात्मा, ईश्वर, सत्य, विराट, खुदा, अल्लाह का अनुभव किस तीर्थ या किस गुरु के द्वार पर होता है?

परमात्मा, ईश्वर, सत्य, विराट, खुदा, अल्लाह सर्वव्यापी है तो उसका अनुभव कहीं भी हो सकता है बस तुम्हें मिटना आना चाहिए। और तो और मुझे यह अनुभव एक ठग के यहां से हुआ। तो परमात्मा या खुदा का अनुभव ठीक वहां पर होता है जहां तुम ठगें जाओं।

इसका किसी गुरु से, किसी तीर्थ से, काबा-काशी से कुछ भी लेना देना नहीं है।

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

परमात्मा ईश्वर की जो प्राण प्रतिष्ठा की जाती है उसका क्या महत्व है?

यह कृत्य केवल अहंकार के कारण ही होता है वरना मनुष्य एक पत्ते को भी स्वयं पैदा नहीं कर सकता। लेकिन दंभ भरता है परमात्मा में प्राण फूंकने का। कोरी-कोरी मूर्खता है।

और जिन्होनें दुकानें चलानी है वो अगर कुछ थपकी तुम्हारे ऊपर न मारें तो तुम कैसे सोओगें।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

ईश्वर का मंदिर कैसा होना चाहिए? तथा मंदिर कहां बनाना चाहिए?

खुदा ने अपना मन्दिर स्वयं ही बना रखा है तुम्हें नजर ही नहीं आता इसलिए ही तुम मूर्खता वश काबा-काशी बनाने की हिमाकत करते हो। तुम सभी तो उसी के बनाए मंदिर हो।

चारों तरफ देखो पक्षी गा रहे है, वृक्ष नाच रहे है तथा स्वयं ही प्रसाद बांट रहे है, बादल मृदंग बजा रहे है, फूल इत्र छिड़क रहे है, आसमान ने नीलाम्बर ओढ़ा हुआ है, बादल अमृत वर्षा कर रहे है। और मंदिर कैसा होता है। तुम्हें देखना नहीं आता तो अपनी आँखे साफ़ करो।

16/09/2024, 16:49 parmatmana book - Google Drive

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

फिर भी अगर हमें पूजा करनी ही हो तो किसकी पूजा करें और कैसे करे?

पूजा प्रेम से ही उत्पन्न हो तो सफल होती है अगर पूजा का ज्यादा ही मन कर रहा है तो प्रेम करें। और जिस दिन संसार मात्र से प्रेम करना आ जाएगा तो स्वयं पाओगे कि वो प्रेम ही पूजा बन गई। अब अलग से और किसी भी पूजा की आवश्यकता नहीं है।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

भीतर के दीपक से क्या तात्पर्य है? वो कैसे जलता है?

दीपक से तात्पर्य होता है स्वयं का ज्ञान। और यह तब जलता है जब तुम यह मान लेते हो कि तुम अज्ञानता में हो, अंधकार में हों। लेकिन तुम सभी तो माने बैठे हो कि तुम हिन्दू-मुस्लिम, सिख -ईसाई हो। गीता-कुरान तुमने सभी रटें हुए है। और तुम तो पैदा होते ही धार्मिक हो। तो तुम्हारा दीपक कैसे जलेगा। दीपक जलाने के लिए पहले तो यह स्वीकारना होगा कि दीपक नहीं जला है।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

भीतर के हंस से क्या तात्पर्य है? वो कैसा दिखता है?

हंस से तात्पर्य यह नही है कि तुम्हारे भीतर पक्षी बैठा है। हंस यहा एक उपमा है कि एक ऐसे गुण वाला जीव जिसमें नीर-क्षीर विवेक हो। और कैसे दिखता है यह अपने मूढ़ धर्म गुरुओं से पूछ लो शायद वो तुम्हें उसका रंग तथा आकार समझा पाए?

क्योंकि मेरी दृष्टि से समझाया नही जा सकता। हाँ ! तुम देख जरूर सकते हो ।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

उड़ जाएगा “हंस अकेला” से क्या तात्पर्य है?

हंस अकेला! यानि वो जो उर्जा है, वो जो चेतना है, वो जो परमात्मा, खुदा, अल्लाह, विराट है वो एक अकेला ही हैं। वहा कोई 33 करोड़ नही बैठें है। उसी का नाम जीवन है और जब तुम मिटते हो तो जीवन उर्जा मूल उर्जा में सिमट जाती है।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

क्या क्षितिज कहीं मिलते है?

हाँ ! तुम्हारे भीतर। देह माटी है यानी धरती है और तुम चेतना हो यानी आकाश अनन्त विराट हो। और यह आश्चर्य पूर्ण घटना है जो तुम्हारे ही भीतर घटती है।

parmatmana
the ultimate wisdom

16/09/2024, 16:49 parmatmana book - Google Drive

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana the ultimate wisdom

हिन्दू-मुस्लिम, सिख-ईसाई आदि जो 365 प्रकार के धर्म है यह किसने और क्यों बनाए?

तुम क्या सोचते हो आज ही के लोग चोर उचक्के है? नही!

संसार में हमेशा से ही ऐसे ही लोग रहे है जो प्रधानमंत्री बनने के लिए नकली डिग्रियां तक बना लेते है। ऐसे ही महत्वाकांक्षी लोगों ने अपनी-अपनी दुकान चलाने के लिए यह दुकानें बनाई। जैसे अगर नेहरू या जिन्ना दोनों ही अपने-अपने प्रधानमंत्री पद का लालच न करते तो शायद आज हिंदुस्तान और पाकिस्तान दो देश ही न होते।

parmatmana

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

क्या हिन्दू-मुस्लिम, सिख-ईसाई आदि बनने से ही धार्मिक नहीं हुआ जा सकता है?

संसार की दृष्टि में जो हिन्दू-मुस्लिम, सिख-ईसाई बने हुए है वो मानते ही है कि वो सभी धार्मिक ही है। लेकिन स्वयं से पूछो कि तुम हिन्दू-मुस्लिम, सिख-ईसाई तो हो लेकिन क्या तुम धार्मिक हों? उत्तर स्वयं मिल जाएगा।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

जो सत्य बुद्धो ने खोजा वो कैसे मिलता है?

बुद्धो से यह मत समझ लेना कि यहां में बोध धर्म के बारे में बता रहा हूं। और अलग-अलग बुद्धो से भी यह मत समझ लेना कि सत्य भी अलग-अलग होगा। सभी बुद्ध जिस सत्य का साक्षात्कार करते है वो सत्य एक ही है। और वो किसी बुद्ध की पूजा करके नहीं मिलता है केवल मैं को मार कर मिलता है।

खुद को मारो अगर अपने खुदा को पैदा करना है तो।

और यही कुंजी है।

“यह जो मैंने हर सूक्त के बीच में एक-एक पेज लगा है उसे पूरा पढ़ना सीख लो सभी कुछ समझ आ जाएगा’’।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

ब्रह्म सत्य जगत मिथ्या! से क्या तात्पर्य है?

यह कथन शंकराचार्य का है। तभी तो यह वाक्य दर्शाता है कि यह आधा ज्ञान है। पूर्ण उत्तर है जगत सत्य ब्रह्म मिथ्या।

यहां मेरे ब्रह्म का तात्पर्य है वो संसार जो तुम सभी ने कल्पनाओं में बनाया है जैसे:- गोलोक, ब्रह्म लोक, स्वर्ग, जन्नत आदि। यह सब मिथ्या है।

और जगत सत्य का तात्पर्य है वो-वो! जो प्रकृति ने बनाया है वो-वो सत्य है।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

हम कहाँ से आते है और कहाँ जाते है?

एक दीपक जलाओं और ध्यान से देखों कि ज्योति कहां से आती है और अब इस दीपक को बुझाओं और देखो कि ज्योति कहाँ जाती है। और अपनी आंखों से देख लो कि हम कहाँ से आते है और कहाँ जाते है। बुद्धो की दृष्टि में हम कहीं भी आते जाते नहीं केवल प्रकट और अप्रकट ही होते है।

कहाँ से आते है?

हम इस विराट ऊर्जा यानी प्रकृति से आते है और उसमें समा जाते है।

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

क्या आत्मा जन्म से ही मिलती है?

नही!

मानों एक व्यक्ति के घर के नीचे सोने का अंबार दबा है और वो व्यक्ति पूरा जीवन गरीबी में ही बिताकर मर जाता है। अब तुम कह पाओगे कि उसे जन्म से ही सोने का अंबार मिला हुआ था? तो जब तक उस आत्मा का साक्षात्कार न कर पाओं तब तक मिले होने से क्या लाभ।

और अगर हम माने कि जन्म से ही आत्मा मिली हुई होती है तो तुम्हारे में और कृष्ण, बुद्ध, महावीर, नानक, कबीर आदि में कुछ फर्क ही न हुआ।

तो तुम्हें क्या लगता है यह सब महापुरुष क्या तुम्हारे ही जैसे थे?

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

आत्मा को अग्नि जला नहीं सकती, जल डुबो नहीं सकता, तलवार काट नहीं सकती। इस पंक्ति को विस्तार से समझाऐं।

आत्मा यानी विराट ऊर्जा!

ऊर्जा यानी वो शक्ति जो काम करती तो दिखती है लेकिन दिखाई नही देती। और यह सूक्त केवल आत्मा पर ही नहीं सभी पंच भूतों पर लागू होता है। जैसे पृथ्वी, अग्नि, वायु, आकाश, जल!

इन सभी पर यह सूक्त लागू होता है। तुम पृथ्वी पर जितने भी गड्ढे खोद लो लेकिन पृथ्वी तो पूरी की पूरी ही रहती है। जल, वायु, अग्नि, आकाश! किसी को भी तुम कांट-छांट नहीं सकते।

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

यह जीवन दुख है ऐसा शास्त्रों का वचन है क्या यह सही है?

तुम्हारे 99 प्रतिशत से ज्यादा शास्त्र कचरा है उनमे कुछ-कुछ सिद्धान्त काम के है। लेकिन कचरा इतना अधिक है कि वो सोना भी फेंकने ही योग्य है। जिसने भी ऐसे शास्त्रों को रचा वो दुख वादी सोच का व्यक्ति रहा होगा।

मैं तो कहता हूँ जीवन सुख है, आनंद, उत्सव, नृत्य, उमंग है। तुम्हें जो अच्छा लगे उसे मान लो।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

कलयुग में भक्ति या ध्यान मार्ग में से कौन सा उचित है?

दोना एक ही पूणर्ता को पहुचाते है। लेकिन यह जो तुम मन्दिरों में जाकर मूढ़ों के कहने पर राम कृष्ण या अल्लाह की धुन लगाते हो यह भक्ति नही है।

भक्ति यानी तेरी मर्जी पूरी हों और ध्यान यानी मैं हूं ही नहीं।

तो दोनों की पूर्णत्या एक ही है कि मेरी नाराजगी कहीं नहीं है।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

गंगा स्नान करने से, काबा-काशी आदि तीर्थ से क्या लाभ होता है?

लाभ की परिभाषा ही त्रुटिपूर्ण है। और जब तक तुम यह लाभ-हानि के विषय में सोचते रहेंगे तब तक दुखी ही रहोगें। गंगा शरीर को धोती है और पाप तुम्हारा मन करता है। काबा-काशी में देह जाती है और मन विषयों में लगा रहता है।

मेरी दृष्टि में कोई लाभ नहीं होती।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

धर्म की खोज में मनुष्य सफल क्यों नही हो पाया?

क्योंकि वह धारणाये लगाकर धर्म को खोजने चल दिया। हिन्दू के घर जन्मे बच्चे ने हिन्दू की धारणाये अपना ली और मुस्लिम के घर जन्मे बच्चे ने मुस्लिम की धारणाये अपना ली। और इन्हें अपनाकर वह सोचकर ही बैठ गया कि वो धार्मिक है ही। बस फिर खोज समाप्त हो गई। अगर तुम आज भी यह मान लो कि पुरानी धारणाएं कचरा है और उन्हें छोड़ दो तो शायद तुम सभी को जल्द ही धर्म मिल जाये।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

धर्म की खोज से क्या लाभ होता है?

कुछ भी नहीं! बस तुम शांत होकर बैठ जाते हो और सारी दौड़ें समाप्त हो जाती है।

और जब कोई दौड ही नही होती तो स्वतः ही आनंद बरसता है। फिर जो शांति बुद्ध, महावीर, जीजस, नानक, कबीर के चेहरे पर नाचती दिखती है वो तुम्हारें भी चेहरे पर चमकती है।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

परमात्मा और खुदा में क्या अन्तर है?

दोनो ही तुम्हारे जीवन के नाम है 1 पैसे का भी अंतर नहीं है।

हां! मूढ़ों ने हिन्दू-मुसलमान बनाकर अन्तर तुम्हें दिखा दिया है।

तभी तो जिसको उसका दीदार हो जाता है वो गा उठता है:-

"नकल नहीं तेरी असल हूँ मैं!

अब मैं छूपता हूँ तू ढूंढ़"।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

क्या लोगों को मंदिर-मस्जिद नही जाना चाहिए?

मंदिर-मस्जिद जाना चाहिए लेकिन ईट-पत्थर के मंदिर-मस्जिद नही। उस मंदिर-मस्जिद जाना चाहिए जिस मंदिर-मस्जिद को खुदा ने ईश्वर ने रचा है।

और जिन मंदिर-मस्जिद रुपी दुकानों को भिखमंगों ने बनाया है वहां जाकर तुम्हें कोई भी लाभ न होगा। उल्टा तुम अंधविश्वासी और पाखंडी ही बनोगे।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

हनुमान चालीसा रटना या नमाज पढ़ना दोनों से क्या लाभ है?

दोनों ही तुम्हारी अज्ञानता की निशानी है। दोनों के द्वारा तुम केवल अपनी अज्ञानता के अहंकार का प्रदर्शन ही कर रहे हो।

दिखा तो तुम रहे हो कि तुम परमात्मा से खुदा से विनती कर रहे हो लेकिन ये विनती नहीं है। विनती तो मिटकर ही की जा सकती है और जब मिट ही गया तो कौन बचा विनती करने वाला।

parmatmana the ultimate wisdom

16/09/2024, 16:49 parmatmana book - Google Drive

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

गंगा यमुना आदि नदियां क्या हिन्दू की देवी है?

नही!

यह नदियां कोई देवी नहीं है। नदियां यानी जल! और जल यानी जीवन! तो जो तुम्हारा जीवन है वो ही तो भगवान, ईश्वर, खुदा, अल्लाह का स्वरूप है।

और भगवान, ईश्वर, खुदा, अल्लाह! यानि जीवन का आदर करना है सत्कार करना है उसे प्रेम पूर्वक जीना है। उसकी मूर्ति बनाकर पूजने से क्या होगा। और जिस दिन हम सभी की यह समझा पाएंगे कि यह नदियां ही जीवन है तो इसे न तो हिन्दू गंदा करेगा और न मुसलमान।

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

आजकल वृंदावन, मथुरा, हरिद्वार, काबा-काशी आदि स्थानों में बहुत भीड़ होती है क्यों?

हर कोई इजी मनी चाहता है। कि किसी तरह मुफत में सभी कुछ मिल जाए। और वो आदत ऐसी गंदी पड़ी है कि धर्म, ईश्वर , परमात्मा, खुदा भी हम उसी प्रकार आसानी से ही हडपना चाहते है। और हमारे देश का दुर्भाग्य ही यह है कि यहां कोई भी मूढ़, भिखारी, अपराधी पृवति का व्यक्ति, किसी न किसी धर्म का चोगा ओढकर अपनी दूकान सजाकर बैठ जाता है और गरीब अनपढ जनता को परमात्मा, स्वर्ग, जन्नत, खुदा आदि के अदृश्य लोको के स्वपन्न बेचने लग जाता है।

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana the ultimate wisdom

आत्मा कहाँ से आती है और कहाँ जाती है?

कहीं से आती जाती नहीं। सभी मानते है न कि पेड़-पौधों में भी जीवन होता है। तो सोचों एक बीज जो अब तक एक बोतल में बंद था उसे तुमने धरती में बोया, वो बीज मिटा और एक पौधा जन्मा।

अब बताओ जीवन कहां से आया? लेकिन अगर तुम उसे नहीं बोतें तो उसका जीवन कहां था? बिना बोए जीवन क्यों नहीं प्रकट हुआ?

आत्मा, जीवन उर्जा हमारें चारों तरफ है तुम होते हो तो वो उर्जा तुम्हारें भीतर प्रकट हो जाती है और तुम मिटते हो तो वो उर्जा पुनः ब्रह्माण्ड़ में, विराट में मिल जाती है।

तभी तो मैं कहता हूँ कि वो चारो तरफ बिखरा फैला पड़ा है।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

क्या हम मूल से जुड़ें हुए है?

हां!

टूटने का कोई उपाय ही नहीं है। एक ही उर्जा पूरे ब्रह्माण्ड़ में विद्यमान है। मुझमें और तुम में सभी में, हमारे मिटते ही वो पुनः मूल उर्जा में मिल जाती है। तभी तो जो लोग जीते जी अपने विचारों को शांत कर दिमाग की सूक्ष्म तरंगों में पहुँच पाते है वो वहां से उस मूल ऊर्जा के सोत्र से एक होकर विज्ञान की सभी पहेलियों के हल पा लेते है।

parmatmana
the ultimate wisdom

जैसा कि हमारे देश में कई बुद्ध पुरुषों ने पूर्व में किया है। लेकिन यह एक विज्ञान है इसमें किसी भी देवी-देवता का हाथ नही है।

16/09/2024, 16:49 parmatmana book - Google Drive

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

संसार किसने बनाया?

एक फिल्म आई थी प्राइम पर। लूसी! वो देख लो। तुम्हारे महात्माओं से संसारी व्यक्ति ज्यादा अक्लमंद है। तुम्हारे मूढ़ धर्म गुरु कहते है कि बिना किसी के बनाए कोई भी वस्तु बन ही नहीं सकती। तो यही सिद्धांत परमात्मा पर और खुदा पर लगाओ कि उसको किसने बनाया? वो किसी के बिना बनाएं कैसे बना? जब बाद में भी यही मानना है कि वस्तुए बिन बनाए बन सकती है जैसे परमात्मा। तो पहले भी यही मान लो कि संसार भी स्वयम्भू है वो अणु मात्र से ही बन गया।

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

विश्वामित्र ने मानसिक सृष्टि बनाई?

हां!

मैने एक बुक सिल्वा में पढ़ा था कि जैसा विचार रखोगें वैसी ही सृश्टि हो जाएगी। तुम भी पढ सकते हों। यानि तुम ही अपने चारों तरफ के सृष्टा हो। तो यही तो विश्वामित्र ने किया।

लेकिन यह मत मान लेना कि विश्वामित्र ने किसी दूर ग्रह पर आदमी बनाए।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana the ultimate wisdom

क्या हम यहां सुख पैदा कर सकते है?

हां!

जब तुम दुख पैदा कर सकते हो तो सुख क्यों नहीं। और यही तो मैं कह रहा हूं। तुम्हारे सभी के धर्म आजतक दौहराते आ रहे है कि यह दुनिया नरक है और यहां से अच्छे कार्य करके यानी गधों को दान-दक्षिणा देकर तुम्हें स्वर्ग और जन्नत की टिकट मिलेगी। जहां सुख होगा। और मैं यह कह रहा हूं कि तुम इसी जहां को स्वर्ग बना सकते हो। अब जो अच्छा लगे उसे स्वीकार लो।

16/09/2024, 16:49 parmatmana book - Google Drive

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

क्या प्रार्थना करना जरूरी है?

प्रार्थना मैं कर सकता हूं यह धारणा ही मूर्खतापूर्ण है।

प्रार्थना तो चल ही रही है तुम्हारे चारों तरफ। पेड़-पौधें, पशु -पक्षी, नदियां-सागर, सभी उसी विराट की प्रार्थना में लीन ही है। तुम्हें तो बस अपनी मैं मिटा कर उसमे शामिल होना है।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

हवन करने से क्या लाभ होता है?

केवल तुम्हारी मूढता भरी धारणाएँ दृढ़ होती है।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

क्या वर्षा इंद्र करता है?

नहीं! -आज तो दुनिया में साइंटिस्ट करते है।

हां! तुम उन्हें इंद्र कह सकते हो क्योंकि तुम अंधे धार्मिक जो हों।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

इतने मंदिर-मस्जिद क्यों बनाए गए?

जैसे भारत-पाकिस्तान बनाए गए। बस ऐसे ही दुनिया भर में देश बनें। और ऐसे ही मन्दिर-मस्जिद बनें। अपनी अपनी गद्दी को बनाने को हम ये करते है। अभी अभी भारत में एक नया मंदिर बना क्या तुम नहीं मानते कि ये गद्दी को बचाने के लिए बना ?

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

क्या जन्म-मृत्यु पूर्व निर्धारित है?

शायद तुम्हारे लिए तो हाँ।

और जिन्हें सत्य मिल गया उनके लिए कदापि नहीं। दरसल तुम जो-जो धारणाऐं पालते हो वो-वो तुम्हारें लिए दुनिया में सत्य हो जाती है। क्योंकि तुम परमात्मा हो। तुम अगर यह धारणा पालोगें कि तुम 40 वर्ष में ही बूढ़ें हो गए तो तुम हो ही जाओगें। और अगर तुम यह मानतें हो कि तुम 85 वर्ष में भी जवानी की तरह भाग दौड़ रहे हो तो तुम तब भी जवान ही हों।

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

मरने के बाद बुरे से बुरे आदमी की भी प्रशंसा क्यों की जाती है?

अब प्रधान मंत्री जी मर जाए तो क्या कहेंगे ? कि वो पूरे हिटलर समान थे?

नही!

तुम कहोगे कि वो हिटलर समान नहीं थे वो अच्छे थे उन लोगों की बदौलत जिनको वो अपने पीछे अपनी वाशिंग मशीन में साफ करके छोड़ गए। उन सैकड़ों नेताओं की तुलना में तो हमारे प्रधानमंत्री जी देवता तुल्य व्यक्ति थें। अब और क्या अच्छें कार्यों का गुनगान करें? कुछ हो तो करें न!

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

क्या भारत कभी सोने की चिड़िया था?

हां!

कुछ व्यक्तियों के लिए पहले भी था और केवल चुन्निदां लोगों के लिए आज भी है। गूगल करों 145 करोड़ की संख्या में 280 लोगों के लिए आज भी है।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

क्या राम राज्य आएगा?

पहले तो यह समझ लो कि राम राज्य में क्या था? स्त्रीयां बंधन में रहती थी, बाजारों में गुलाम बैचें जाते थें, बहु विवाह प्रथा थी, शुद्रो को पढ़नें लिखने की इजाजत नही थी। समाज में ब्राह्मणों का जाल था। जो आज भी है।

राम ने खुद ब्राह्मणों के कहने पर एक शूद्र के कान में शीशा डलवाया था। अब सोचकर बताओं कि क्या होता है राम राज्य? मेरी दृष्टि में तो वो समय अच्छा होगा जब पूरे देश की बागडोर पढ़ें-लिखें रिटायर 50 से 60 वर्ष के व्यक्तियों के हाथ में होगी। न कि अनपढ़ गधों के हाथ में।

तो हमे पुनः राम राज्य न आ पाये ऐसे उपाय करने चाहिए।

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

क्या पहले का समय अच्छा था?

यह तर्क तुम्हें मूढ धार्मिक गुरुओं ने दिया है। क्योंकि हजारों वर्षो से तुम मूढ़ों का बनाया हुआ धर्म ही तो ढों रहे हों। तुम्हारा सभी का धर्म जीवन विरोधी है हिन्दू का सन्यासी जंगल में नंगा, मुसलमान का फकीर घर से बाहर खानाबदोश , बुद्ध का भिक्षु सन्यासी, जैन में तो यह जीवन विरोधी धारणा इतनी पूजनीय है कि उन्होंने तो जीवन को समाप्त करने वाली एक क्रिया ही गढ दी है जिसका नाम संथारा है। अब बताओं कि पहले का समय अच्छा था या आज का। मेरी दृश्टि में तो आज का समय बहुत अच्छा है।

parmatmana
the ultimate wisdom

एक और प्रयोग करो अपने ही घर में आज का 8-10 वर्ष का बच्चा देखो और तुलना करो जब तुम 8-10 वर्ष के थे कि आज का बच्चा बुद्धिमान है या उस समय तुम बुद्धिमान थे ?

मेरी दृष्टि में तो आज का बच्चा ज्यादा बुद्धिमान है। अब सोचो हम उन 55 00 वर्ष पहले वाले लोगों का बनाया हुआ धर्म ढो रहे है जो हमसे भी कम बुद्धि वाले थे।

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

क्या शास्त्रों में जो वर्णन है कि चार युग है और यह कलयुग चल रहा है वो सत्य हैं?

इसी प्रकार की मूखर्ता के कारण ही यह देश आज तक गरीब और पिछड़ा हुआ है। जिन लोगों को अपना पेट भरने के लिए कमाने का ज्ञान नहीं है वह सभी किसी न किसी धर्म का चोला ओढ़कर जनता को मूर्ख बनाने लग जाते है।

कोई चार युग नहीं होते।

तुम अगर मन से अच्छा सोचते हो और समाज में अच्छा व्यवहार करते हो तो तुम आज भी सतयुग में हों। और अगले ही दिन तुम अगर हिंसा, डकेती, खून- खराबा, बलात्कार करते हो तो तुम उस दिन कलयुग में हों। तुम्हारे ही जीवन में रोज यह युग बदल सकते है।

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

भारत गरीब और पिछड़ा हुआ क्यों है?

केवल तुम्हारे कारण। जब तक तुम अकेले इन धर्म रुपी मूर्खता भरी सोच को नही छोडोगें तब तक भारत गरीब और पिछड़ा ही रहेगा। और केवल तुम्हारें कारण इसलिए लिखा कि तुम केवल इस मूर्खता भरे मार्ग को छोड़ों और ऐसे ही जब 145 करोड़ लोग अकेले ही इस मूर्खता भरी सोच को छोडेगें तो यह देश शायद उपर उठ सकेगा।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

कलयुग में कल्कि अवतार कब होगा?

यह मूर्खता भरी धारणा है। आज तक जो भी तुमने अवतारों की कहानियां सुनी है वो बस बच्चों को थपकी देकर सुलाने के लिए ही है। जैसे मॉ बच्चों को थपकी देकर कहानी सुनाकर सुला देती है वैसे ही तुम सभी के धर्म गुरु तुम्हें कहानियां सुनाकर सुलाते आ रहे है। क्योंकि हुकूमत करने वाला कभी भी नही चाहता कि जिस पर वो हुकूमत कर रहा है वह कुछ भी प्रश्न करें। फिर वो सरकारें हो या धर्म गुरु!

parmatmana
the ultimate wisdom

अवतार आज तक कभी भी नहीं हुआ। हां! भगवत्ता का, ज्ञान का, प्रज्ञा का, बोध को, अवतरण होता है और वो होता है ‘‘मैं‘‘ के मिटने के बाद। और वो तो आज भी दुनिया में हजारों के उपर हो रहा होगा। तुम आंखों पर से धारणाओं का चश्मा उतारकर देखो तो दिख जाएगा।

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

क्या मनुष्य का भविष्य अंधकार पूर्ण है?

यह तुम पर निर्भर करता है। अगर तुम मानते हो कि जो बीत गया वो अच्छा युग था और आने वाला समय अंधकार पूर्ण होगा तो तुम्हारा भविश्य जरुर ही अंधकार पूर्ण होगा। और यह नकारात्मक धारणाऐं तुम सभी को तुम्हारें मूढ़, अनपढ, ग्वार, कामचोर, भिखमंगें, निठ्ठलें धर्म गुरुओं ने ही सिखाई है। आज भारत का भविश्य अंधकार पूर्ण क्यों है केवल इन मूढ़ों के ही कारण।

parmatmana
the ultimate wisdom

और अगर आज भी समाज में कुछ बुद्धिजीवी वर्ग उस ऊंचाई को उपलब्ध न हुआ जिस ऊंचाई को कृष्ण, बुद्ध, महावीर, जीजस, नानक, कबीर ने छुआ तो निश्चित ही मनुष्य का भविष्य अंधकार पूर्ण है।

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

मनुष्य अपने अज्ञान को कैसे समाप्त कर सकता है?

अज्ञान नामक कोई वस्तु नहीं होती। जैसे अंधकार नामक वस्तु नहीं होती।

हाँ! प्रकाश न हो तो वहां अंधकार प्रतीत होता है। उसी प्रकार ज्ञान, बोध, प्रज्ञा, जागरण, विवेक आदि न हो तो वहां अज्ञान प्रतीत होता है। तुम्हें अज्ञान को दूर नही करना है। तुम्हें अंधकार को दूर नही करना है तुम्हें तो बस प्रकाश जलाना है। तुम्हें तो बस बोध को प्रकट करना है।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

क्या ऋषि-मुनि जो लिख गए वो ठीक नहीं है?

आज से 30-40 वर्ष पहले साईं के सारे शास्त्र लिखे गए। और आज से 500 वर्ष बाद लोग यही मानेंगे कि वो शास्त्र ऋषि-मुनि लिख गए। तो क्या तुम यह मानते हो कि आज ऋषि-मुनि है?

ठीक उसी प्रकार जैसे आज के लोगों ने शास्त्र लिखे और उस पर सांई उपनिषद , चालीसा, पुराण आदि का नाम दे दिया गया उसी प्रकार 5000 वर्ष पहले भी यही हुआ था। पता नही कचरा किन मूढ़ों की उपज थी और नाम ऋशि-मुनि का दे दिया।

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

क्या जन्म-मृत्यु, लाभ-हानि, यश-अपयश विधि के हाथ है?

इसी मूर्खता भरी सोच ने भारत को भाग्यवादी बना दिया और पूरा भारत भाग्य के ही भरोसे बैठ गया। और यही कारण है कि आज तक भारत पिछड़ा हुआ है। यह कुछ भी किसी के हाथ नही है यह सभी तुम्हारे हाथ है।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

बुद्धत्व क्या है?

केवल स्वयं को जानना।

parmatmana
the ultimate wisdom

16/09/2024, 16:49 parmatmana book - Google Drive

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana the ultimate wisdom

जीवन का लक्ष्य क्या है?

इस जीवन को प्रेम पूर्वक जीना। इस भूल में मत रहना कि यहां जप-तप करोगे, नमाजें पढोगे तो स्वर्ग मिलेगा और वो जीवन का लक्ष्य होगा।

नही!

यह सब कहानीयां तुम्हारें मूढ़ धर्म गुरुओं द्वारा बनाई गई है। जिनको जीवन का रस मिला उन्होनें यही उत्तर दिया है कि जीवन का लक्ष्य केवल जीना मात्र ही है।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

धर्म क्या है?

जीवन, परमात्मा, खुदा, अल्लाह, सत्य, प्रज्ञा, बौद्ध, धर्म! यह सभी एक ही शब्द के भिन्न-भिन्न नाम है।

यह यह सभी शब्द तुम्हारे यानी मनुष्य के ही पर्यायवाची है।

लेकिन जागते हुए मनुष्य के।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

मुक्ति क्या है?

तुम्हारा सभी पुरानी धारणाओं और परम्पराओं का त्यागना। क्योंकि मुक्ति किससे? बंधनों से ही न।

तो सोचो बंधन क्या है? केवल मूर्खता भरे कृत्य और कुछ भी तो नही।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

क्या हमारी संस्कृति ठीक नहीं है?

यह निर्भर करता है कि हम संस्कृति कह किसे रहे है। क्या मंदिर-मस्जिद जाने को? या अपने माता-पिता या बुजुर्ग आदि से अच्छा व्यवहार करने को?

संस्कृति के नाम पर हमने कचरा ही लादा है कुछ ने हिन्दू होने की संस्कृति लाद ली है कुछ ने मुस्लिम होने की। और किसी ने भी यह नही देखा कि इस सड़ी-गली संस्कृति ने आज तक उन्हें दुख के अलावा दिया क्या है।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

क्या रामलीला, रासलीला, भागवत कथा आदि करना ठीक नहीं है?

तुमने आज तक रामलीला, रासलीला, भागवत कथा आदि करके पाया क्या? केवल हिन्दू होने की भीड़ के हिस्सें बन कर अपने ही अंहकार को संतुष्ट किया।

तुम्हें क्या लगता है कि इस प्रकार भारत उन्नत हो पाएगा। सुखी और समृद्ध हो पाएगा? नही!

न तो आज तक कुछ बदला है और न ही बदलेगा। आखिर कब तक इन जंजीरों को सोने की पॉलिश कर के पहनते रहोगे। एक बार यह जंजीरे उतार कर फेंक कर देखो मुक्ति का क्या आंन्नद होता है।

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

धार्मिक कैसे हुआ जाता है?

धार्मिक हुआ जा ही नहीं सकता। क्योंकि जिसे धर्म मिलता है उसकी मौत पहले ही हो जाती है। या तो वहां तुम होते हो या धर्म। दोनों एक ही समय में नहीं होते। जिस प्रकार प्रकाश कभी भी अंधकार को नहीं देख सकता है उसी प्रकार तुम कभी भी धर्म को नही देख सकते हो क्योंकि तुम्हारे होने का ही तो दूसरा नाम अज्ञानता है

और तुम्हारे मिटने का नाम ही तो धर्म, परमात्मा, भगवान, बोध, जागरण, खुदा, अल्लाह है।

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

जीवन में नृत्य के प्रकट होने से क्या तात्पर्य है?

नृत्य यानी उत्सव का होना। यह जो कहानियां तुम ने सुनी है न सच्चिदानन्द की। यह सच्चिदानन्द कोई सातवें आसमान पर बैठा व्यक्ति नहीं है। यह तो तुम्हारे होने की स्थिति का नाम है और यह स्थिति तब प्रकट होती है जब

"खुदा की बांसुरी बजे और तुम्हारे पांव में मीरा के घुंघरू बंध जाए"

और जब

"कृष्ण बंसी बजाए और तुम उसी क्षण नमाज अदा कर दों"। बस उसी क्षण तुम्हारे भी जीवन में नृत्य प्रकट हो जाएगा।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

प्रकृति की ओर हर किसी का मन क्यों आकर्षित होता है?

क्योंकि यहां परमात्मा ही छुपा है और यही खुदा का ढंग है तुम्हें बुलाने का। अगर तुम्हें पक्षियों के संगीत मे उस खुदा के घुंघरू की धुन सुनाई देने लगे या नदियों के कल-कल में कृष्ण की बांसुरी की धुन सुनाई देने लगे तो मानना कि प्रकृति ने जो जाल तुम पर फेंका था तुम उस में फंस चुके हो। अब बच के निकलने का कोई भी मार्ग नहीं है।

अगर तुम उस जाल से बचना चाहते हो तो मन्दिर-मस्जिद में ही छुपे रहों। वहीं तुम बच सकते हो। क्योंकि : -

"परमात्मा-खुदा मंदिर-मस्जिद छोड़कर सभी जगह बिखरा हुआ है"।

और इसके बाहर उसी ने यह प्रकर्ति रुपी जाल बिछा रखा है।

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

हम उसका मन्दिर कहां बनाए और कैसा बनाए है?

अगर खुदा है तो हर कहीं है तो उसके लिए जगह कैसे निर्धारित करोगें? और अगर खुदा नहीं है तो कहीं भी नहीं है तो फिर मंदिर बनाकर परमात्मा कहां से बिठाओगें?

सारा विश्व उनका मंदिर है। आपको बस अपनी आंखें खुली रखने की जरूरत है।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

भविष्य में जो हमें स्वर्ग या जन्नत मिलेगा या नरक या जोजफ मिलेगा उसका क्या उत्तर है?

जिसे आज जीना आ गया वो कभी भविष्य के लिए सपने नहीं बुनता। तुम्हें अपना ही नहीं पता तभी तो तुम भविष्य की कल्पनाओं में जी रहे हों। जो अपना दर्श कर लेता है वो आज ही ही स्वर्ग का सुख पा लेता है।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

गर्भ में बच्चा रोता है और भगवान से कहता है कि मुझे यहां से बाहर निकाल में पूरा जीवन तेरी भक्ति करूंगा। क्या यह सही है?

भगवान ने इतना सुंदर जीवन दिया है और तुम्हारे मूर्ख धर्मगुरु उसी का तिरस्कार करने के लिए व्यर्थ ही जीवन की निंदा करते हैं। अब गधों को घोड़ों की रेस में दौडाओगें तो वो फाईनल लाईन की तरफ नही घांस की और ही मुड़ेगें।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

हम धार्मिक किसे कहेंगे? क्या मंदिर-मस्जिद जाने वाला धार्मिक नही है?

नहीं !

हमारे देश का दुर्भाग्य ही यह है कि हम सदियों से मंदिर-मस्जिद-जाने वाले को धार्मिक मानते आए हैं। यही कारण है कि आज दुनिया में हिंदू और मुसलमान पाए जाते हैं लेकिन धार्मिक व्यक्ति नहीं।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

अगर हमें खुदा मिल भी जाए तो हम उसे कैसे पहचानेंगे?

जिस दिन तुम्हारे भीतर का सूर्य उगेगा उस दिन तुम स्वयं को भी पहचान लोगे और उस परमात्मा को भी पहचान लोगे। और देखोगें कि दोनों में तिल मात्र का भी भेद नहीं है।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

हम कौन सी प्रार्थना करें जिससे परमात्मा प्रसन्न हों?

तुम्हारी सारी प्रार्थनाएं व्यर्थ ही तो है। तुम प्रार्थना के नाम पर करते क्या हो? और धन दे, और मान दे, पद दे, प्रतिष्ठा दे।

प्रार्थनाः- नाम है प्रेम का!

लेकिन भिखारियों ने तुम्हे भीख मांगना ही सिखा दिया- तुम्हें भिखारी ही बना दिया। कैसे करोगे तुम प्रार्थना?

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

हम कौन सा शास्त्र पढ़ें जिससे हमें भी धर्म का ज्ञान हो जाऐं, हम इनलाइटेंड हो जाऐं?

शास्त्रों में पंक्तियों के बीच का खाली स्थान पढ़ो।

यंहा जो पढ़ रहे हो केवल इससे पहले वाला पेज पूरी तरह से एक-एक अक्षर पढ़ो। तुम इनलाइटेंड हो जाओगे।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

हमारे भी जीवन में ब्रह्मचर्य कैसे आए इसके बारे में बताएं?

ब्रह्मचर्य शब्द कितना सुन्दर है इसका अर्थ होता है ब्रह्म जैसी चर्या! यानि सभी में परमात्मा जैसा व्यवहार। लेकिन मूढ़ों ने इसे केवल "काम" से जोडकर ही देख लिया।

आखिर जिसमें जो विकार होगा वो कहीं न कहीं से प्रकट ही हो जाएगा। जिस दिन ब्रह्म का अनुभव होगा उसी क्षण तुम पाओगे कि वही ब्रह्ममय स्थिति का नाम ब्रह्मचर्य है।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

क्या हमें मंदिर-मस्जिद में दीपक जलाना चाहिए?

क्या अजीब लोग हो तुम?

दीपक तो जलाना था स्वयं के भीतर। जो तुम्हारी जिंदगी को रोशन कर देता। लेकिन तुम्हें भीतर का ज्ञान ही नहीं तुम सभी मिट्टी पत्थर के खिलौनों के सामने दीपक जलाकर स्वयं को संतुष्ट कर लेते हो।

parmatmana
the ultimate wisdom

16/09/2024, 16:49 parmatmana book - Google Drive

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

क्या जो पुराने सिद्ध मंदिर-मस्जिद है जैसे काबा-काशी, या अन्य तीर्थ स्थल, इन जगहों पर जाने से लाभ होता है?

स्वयं के भीतर जाने से लाभ होता है। वरना जितने मर्जी बडे-बडे मन्दिर बना लो वो किसी काम न आएँगे।

आज तक करोड़ों मन्दिर-मस्जिद, गिरजे-गुरुद्वारे बन चुके है क्या संसार बदला? क्या तुम बदले?

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

क्या मैं परमात्मा बन सकता हूं?

कहते है चिड़िया कभी बाज नही बन सकती। तुम मेरे साथ दस कदम चल कर तो देखो मैं तुम्हें पूरा-पूरा परमात्मा न बना दूं तो कहना।

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

आज के धर्मगुरु दुनिया को धार्मिक क्यों नहीं बना पा रहें?

एक दीए से पूरे संसार के दिए जल सकते है। लेकिन तब! जब पहला दिया जलता हुआ हो। इसलिए पहले वो धर्मगुरु स्वयं का दीपक जलाने की सोचें।

लेकिन वो बेचारे तो थाली घुमा कर धन बटोरने के लिए ही धर्म गुरु बने है वो स्वयं ही धार्मिक नहीं है लोगों को कैसे बनायेंगे।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

कौन सा धर्म उत्तम है?

बीमारियां अलग-अलग होती है लेकिन स्वास्थ्य एक ही होता है। उसी प्रकार मूर्खता रुपी विचारधाराओं को तुमने धर्म का नाम दे रखा है वो धर्म नहीं है। धर्म एक ही होता है सत्य का बोध, स्वात्म अनुभव हो जाना।

और यह जो धर्मों को नाम दिए है न तुमने। हिन्दू-मुस्लिम, सिख ईसाई। यह केवल बीमारियां मात्र है इनका धर्म से कुछ भी लेना देना नहीं है।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

सत्य का अनुभव होने से क्या बदलता है?

धर्म मिलने से पूरा व्यक्ति बदल जाता है पूरा का पूरा व्यक्तित्व ही बदल जाता है लेकिन वो वस्त्रों से नहीं भीतर से बदलता है।

और तुम्हें स्वयं का बोध हो जाता है।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

आज समाज में किस प्रकार के धर्म की आवश्यकता हैं ?

समाज में आज किसी भी धर्म की आवश्यकता नहीं है केवल मनुष्य के धार्मिक होने की आवश्यकता है।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

इनलाइटनमेंट क्या है?

धर्म, अध्यात्म, इनलाइटनमेंट, बोध, जागरण, प्रज्ञा, ज्ञान, केवल इतना ही है कि तुम्हारी सारी दौड़ समाप्त हो जाए।

धन की, पद की, मान, प्रतिष्ठा की।

यहां तक कि स्वर्ग की, मोक्ष की, बैकुंठ की और निर्वाण की भी।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

हमारे इस जीवन का क्या उद्देश्य है?

तुम्हारे पास एक ही विकल्प था सदियों से। वह यह था कि तुम पुराने जन्मों-जन्मों के पापी हो और यह जीवन तुम्हें दुख भोगने के लिए मिला है और मरने के बाद ही स्वर्ग या जन्नत में जाकर ही तुम सुखी हो सकते हो।

आज हजारों वर्षों बाद मैं तुम्हारे सामने एक नया विकल्प खोल रहा हूँ कि यह जन्म तुम्हें सुख भोगने के लिए आनंद से रहने के लिए, उत्सव मनाने के लिए मिला है।आन्नद तुम्हारा स्वरूप है और तुम चाहो तो इसी जीवन को स्वर्ग बना लो। तुम्ही परमात्मा हो और तुम्हारे अलावा कोई परमात्मा कहीं नहीं बैठा है।

अब तुम्हारी जो इच्छा हो वही मानो! चाहे यहा दुखी रहो और मरने के बाद स्वर्ग की कल्पना करो या मेरी बात मान कर आज ही सुखी हो जाओ।

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

दुनिया कैसी होनी चाहिए थी?

सोचों! अगर दुनिया भर के सारे बुद्धिजीवी मिलकर एक ऐसी दुनिया की संरचना करे जहां किसी भी देश की सीमा न हो, न जवान तैनात हो न रक्षा के लिए जहाज या तोपे हो। और पूरी दुनिया में जो देश का सबसे बड़ा बजट रक्षा व्यय पर खर्च होता है वो धन लोगों की सेवा में लगाया जाए तो सोचो वो दुनिया बेहतर होगी या आज की दुनिया?

मेरी दृष्टि में दुनिया को नेताओं की नही बुद्धिजीवी वर्ग की आवश्यकता है।

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

क्या आज समाज में इतने अधिक मंदिर-मस्जिद, गिरजे-गुरुद्वारें है पूरी दुनिया किसी न किसी धर्म को मानती है तो क्या आज का समाज पहले से ज्यादा धार्मिक नही है?

तुम तकरीबन 50-60 वर्ष के हो गए और तुम्हारे जीवन के सामने ही सामने दुनिया में पिछले 100 वर्षों में लगभग 200 से ज्यादा युद्ध हो चुके है दो महायुद्ध भी इन्ही 100 वर्षों में हुए, चाहे कश्मीरी पंडितों की हत्या हो, कोरिया युद्ध हो, हिंदुस्तान पाकिस्तान युद्ध हो, रूस अमेरिका युद्ध, रूस और यूक्रेन हो या तालिबान सद्दाम हुसेन या ओसामा हो, मुसलमान आतंकवाद हो या नेताओं द्वारा ध्यान भटकाने के लिए जवानों का नरसंहार हो। अगर गिनती करोगें तो तुम्हारे सामने-सामने 50-60 वर्षो के जीवन काल में 100 से ज्यादा युद्ध हो चुके है ऐसे समाज को तुम पढ़ा लिखा, उन्नत, धार्मिक समाज कहते हो? और तुम सभी स्वयं को धार्मिक मनुष्य कहते हो? नहीं यह धार्मिक आदमी के नहीं सोए हुए आदमी के लक्षण है।

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

हमने गंगा को माँ कहां और माँ की मूर्ति बनाई और परमात्मा तुम कहते हो मूर्तियां गलत है क्यों?

गंगा की मूर्ति वाली माँ जैसी माँ कहीं भी नहीं है किसी भी दुनिया मे नही। गँगा! केवल गँगा ही नही दुनिया मे कोई भी नदी, कोई भी जल स्त्रोत हमे जीवन देता है यानि जीवित रखता है और जो जीवित रखता है जिसके कारण हम जीवित रहते है उस प्राण दायीनि स्त्रोत को माता या पिता कहना उचित ही है और उसे संभाल कर रखना है, उसका सम्मान करना है, उसे बचाना है यह उचित ही है। लेकिन मूढ़ों की तरह मूर्ति बनाकर आरती उतारना? उससे कुछ भी नही होगा वो उचित नही है। वो तो तुमने दुकान बना ली दूसरों को ठगने की।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

क्या दीक्षा लेने से कुछ भी लाभ नहीं होता?

नही!

दीक्षा से कुछ भी लाभ नहीं होता। क्योंकि अगर दीक्षा से ही तुम धार्मिक हो सकते तो कृष्ण, बुद्ध, महावीर, मोहम्मद, जीजस, नानक, कबीर सभी तुम्हें दीक्षा देकर धार्मिक बना गए होते।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

ईश्वर के दर्शन कैसे हो सकता है?

ईश्वर के दर्शन सम्भव है लेकिन पहले यह जान लो कि ईश्वर, परमात्मा कौन है? कोई मनुष्य रुपी कोई व्यक्ति नामक ईश्वर कहीं किसी भी ग्रह पर नहीं बैठा।

हाँ! ईश्वरत्व चारों तरफ बिखरा पडा है जीवन के रूप में, ऐश्वर्य' के रूप में, तुम्हारे रूप में। तुम बस आंखें खोल लो और स्वयं के दर्शन कर लो।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

बुद्धत्व क्या है?

बुद्धत्व एक प्रकार की समझ का नाम है जिसके प्राप्त होने के बाद केवल इतना पुनः स्मरण हो जाता है कि अब न कहीं जाना है और न कुछ पाना है।

लेकिन ध्यान देना जिस दिन तुम्हें बुद्धत्व प्राप्त होगा उस दिन उसे पाने वाला नहीं बचेगा। क्योंकि तुम क्या हो? केवल एक माने हुए विचारों के, अहंकार, के समूह !

और जब यह अहंकार गिरेगा वहां कुछ भी न बचेगा। तुम भी नहीं।

parmatmana
the ultimate wisdom

16/09/2024, 16:49 parmatmana book - Google Drive

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

बुद्धत्व कैसे प्राप्त होता है?

किसी ऐसे व्यक्ति को ढूंढ़ लो जो मर चुका हों। और उससे तुम भी मरने की विधि समझ लो और तुम भी मिट जाओं।

एक कदम तुम्हारा मृत्यु में रखा होगा और दूसरे कदम से तुम बुद्धत्व के द्वार में प्रवेश कर रहे होंगे।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

क्या राम-राम या अल्लाह-अल्लाह जप से कुछ लाभ होता है?

पहले यह समझो राम या अल्लाह कौन है। और तुम्हारे सभी के धर्मों में साफ-साफ लिखा है कि ब्रह्म को देखा नहीं जा सकता, इस्लाम भी मानता है कि अल्लाह की कोई मूरत नहीं बनाई जा सकती।

इसका मतलब सीधा-सीधा है कि परमात्मा एक व्यक्ति नहीं है। वो एक ऐसी ऊर्जा है जो सर्वे सर्वा है। और वो स्वयम्भू है वो न तो पैदा होती है और न ही समाप्त होती है।

तो ऊर्जा को जपना नहीं है क्योंकि वहां कोई इमोशन नही है वो तो एक ताकत है और उसी ऊर्जा के कारण हम सब जिंदा है। यानी एक तरह से तो वो राम और अल्लाह पूरा-पूरा हम सब में है। तो जपना नही एक दूसरे का सम्मान और प्रेम करना है। जप से कोई लाभ नहीं होता।

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

जीवन क्या है?

तुम्हारे लिए तो भार है तभी तो तुम कहते हो कि यह जीवन दुख है। तुम्हारा ही तो सूक्त है दुखालयं।

और बुद्धो के लिए यही जीवन स्वर्ग है, उत्सव है, आनंद है।

इसीलिए कहता हूँ उन मूढ़ों की अगूलीं छोड़ों जो जीवन विरोधी धर्म का पाठ पढातें है।

इस जीवन से सुन्दर जीवन तुम्हें कहीं नहीं मिलेगा। आंखें खोलो और इसी जीवन को स्वर्ग बना लो।

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

क्या मैं मरने के बाद मुक्त हो सकता हूँ?

जीवन में ही मुक्त हुआ जा सकता है मर कर नहीं। क्योंकि जो मर रहा है अगर वो बंधन में है तो मर कर भी बंधन में ही रहेगा। इसलिए अगर मुक्त होने की अभिलाषा है तो आज ही किसी मुक्त का हाथ पकड़ लों।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

मैं कौन सी सिद्धि कंरू कि जीवन का लक्ष्य मिल जाए?

यहा कुछ भी करना नहीं है तुम गलती क्या कर रहे हों। तुम्हारें सभी के धर्म तुम्हें कुछ बनाते है और मैं तुम्हें जड़ से मिटाने का मार्ग प्रशस्त कर रहा हूँ। अब तुम जानों कि तुम्हें बनना है या मिटना है।

और मिटना ही सिद्धि है। बनोगे भी तो क्या बनोगे ज्यादा से ज्यादा पंडित या मौलवी हो जाओगे। लेकिन उससे लाभ क्या होगा? क्या तुम्हें पंडित आनन्दित दिखता है?

मेरी दृष्टि में तो पंडित से ज्यादा अशांत व्यक्ति तुम्हें दुनिया में ढूंढने से नहीं मिलेगा। पंडित का मतलब हिन्दू धर्म के पंडित से ही मत लेना। पंडित यानी धर्म गुरु, पादरी, मौलवी, ग्रंथि, राज नेता, कथा विक्रेता, मंदिर मस्जिद चलाने वाला व्यक्ति।

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

आत्मा का आकार कैसा है और यह मां के गर्भ में कब प्रवेश करती है?

झूठ है वो शास्त्र जो कहते है आत्मा सभी के भीतर जन्म से ही होती है।

मैं कहता हूँ कोरा झूठ है। क्योंकि जिसको अपनी आत्मा का ही बोध नहीं वो स्वयम् में प्रकट करेगा भी तो कैसे? इसलिए अपने शास्त्रों में संशोधन करों।

और जो तुम्हारे शास्त्रों में वर्णन है कि आत्मा का आकर बाल की नोक के १०,००० हज़ारवें भाग के बराबर है वो झूठ है। क्योंकि जो वस्तु सर्वत्र फैली है वो तुम्हारी अलग से कैसे हो सकती है? क्या तुम्हारे घर के ऊपर वाला आकाश तुम्हारा निज का है ?

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

परम जीवन क्या होता है और कैसे पाया जाता है?

जिस दिन तुम मरोगे उसी दिन तुम परम जीवन को प्राप्त करोगे।
लेकिन मैं तुम्हारी देह के मरने की बात नही कर रहा हूँ।

मैं तुम्हारे मैं रूपी अहंकार के मरने की बात कर रहा हूँ।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

मौत से बचने के लिए कौन सा मंत्र है?

इससे पहले मौत आए तुम मेरे पिलाए अमृत का स्वाद चख लो मृत्यु तुम्हारा बाल भी बाँका नहीं कर पाएगी।

इस अज्ञान को प्राप्त करते ही तुम देह से अपना तारतम्य स्वयं ही छोड़ दोगे।

parmatmana
the ultimate wisdom

16/09/2024, 16:49 parmatmana book - Google Drive

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

https://docs.google.com/document/d/1tbR4zkJ_xRcz2O3LWGJ8IA1R6sj5J44vSoYkuFrQb_E/edit 293/616

क्या हम परमात्मा को पा सकते है?

परमात्मा, सत्य, खुदा, विराट इतना नजदीक है कि वो तुम्हारे हाथों पर ही विराजमान है लेकिन तुम मुट्ठी बांधना चाहते हो और वो छिटक जाता है। और जब तुम कुछ भी पकड़ने की आकांक्षा नहीं रखते तो वो वस्तु स्वाभाविक ही तुम्हारे पास होती हैं लेकिन जैसे ही तुम उस वस्तु को पकड़ने की और उसके मालिक बनने की इच्छा व्यक्त करते हो वो वस्तु तुमसे हमेशा के लिए दूर चली जाती है।

हाथ खोलो और देखो कि तुम्हारे हाथों पर प्रकाश विद्यमान है या नही?

और अब मुट्ठी बंद करो और देखो प्रकाश गायब।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

ईश्वर है या नहीं?

ये प्रश्न ही तुम्हें उन मूढ़ो ने सिखाया है जिन्होंने झूठे ईश्वर गढ़े है। मुझसें तो ये पूछों कि मैं ईश्वर कैसे हो सकता हूँ?

और अगर तुम मरने के लिए तैयार हो तो मैं : -

खुदा, परमात्मा, अल्लाह, भगवन, एक क्षण में दिख सकता हूँ।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

क्या धर्म की प्राप्ति के लिए धन की भी आवश्यकता होती है? जैसा दान चढ़ावा धर्म गुरु मांगते है आश्रम या गउ शाला चलाने के नाम पर?

हाँ! धर्म प्राप्ति में कुछ दांव पर तो लगाना पड़ता है। लेकिन धन से मतलब रुपये से मत लेना। धन मतलब जो वस्तु तुम्हें सबसे ज्यादा प्रिय हो।

तो अगर धर्म चाहिए तो स्वयं को दांव पर लगाना पड़ेगा।

और अगर तुम्हें स्वयं को बचाना है तो मृत्युंजय का जप करों और पत्थरों के ईश्वर से मन को बहला लें।

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

आत्म तृप्ति कैसे मिलेगी? जिससे हमारी सारी मनोकामना पूर्ण हो जाए?

मेरी पास वो सुराही है जिससे मैं तुम्हारी जन्मों-जन्मों की प्यास बुझा सकता हूँ।

जिससे तुम हमेशा हमेशा के लिए तृप्त हो जाओगे। लेकिन क्या तुम तैयार हो?

parmatmana
the ultimate wisdom

16/09/2024, 16:49 parmatmana book - Google Drive

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

https://docs.google.com/document/d/1tbR4zkJ_xRcz2O3LWGJ8IA1R6sj5J44vSoYkuFrQb_E/edit 301/616

क्या नास्तिकों के कारण धर्म लोप हो रहा है?

नहीं!

मेरी दृष्टि में नास्तिक इसका कारण नहीं बल्कि धार्मिक दिखने वाले आस्तिक ही इसका कारण है। जिसे धर्म की खोज हो वो कहीं न कहीं से पा ही लेता है।

"मुझे धर्म मिला तो तुम्हें भी मिल सकता है"।

हाँ! यह दुनिया में दुकान खोले हुए धर्मगुरु अगर हटा दिए जाए तो धर्म ज्यादा लोगों को और जल्द ही मिल जाए।

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

जब हमें कभी परमात्मा मिल भी जाए तो हम उसे पहचानेंगे कैसे?

जिस दिन तुम्हारे भी भीतर का सूर्य उगेगा उस दिन तुम स्वयं को भी पहचान लोगे और उस परमात्मा को भी पहचान लोगे।

तो परमात्मा को, खुदा को खोजने काबा-काशी मत भटको अपनी आंखें खोलने का प्रयत्न करो।

parmatmana
the ultimate wisdom

16/09/2024, 16:49 parmatmana book - Google Drive

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

फिर भी अगर पूजा करनी हो तो किसकी करें और दीपक कैसा जलाए?

क्या अजीब लोग हो तुम भी ।

मिट्टी पत्थर के खिलौनों के सामने दीपक जलाते हो।

अरे दीपक तो जलाना था स्वयं के भीतर। जो तुम्हारी जिन्दगी को रोशन कर देता। मिट्टी पत्थर के खिलौनों के सामने प्रकाश किस काम का? खिलौनों जीवित थोड़े ही होंगे?

हाँ!

अगर तुम्हारे भीतर प्रकाश हो जाए तो तुम जीवन्त जरुर हो जाओगे।

16/09/2024, 16:49 parmatmana book - Google Drive

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

क्या गीता-कुरान आदि ग्रन्थ ठीक नहीं है? हमारे सभी के धर्म गुरु जो उसे पढ़कर हमें सुनाते है वो सही नहीं हैं?

"गन्दे हाथों में सुगन्धित फूल भी दुर्गंध ही पैदा करता है"।
गीता-कुरान आदि ग्रन्थ ब्रह्मवाक्य था उसे पढना कौन चाहता है? तुम! जो साऐ हो! समझ क्या आएगा?

और जिस दिन तुम जाग जाओगें उस दिन तुम्हारे भीतर से जो गीता-कुरान आदि ग्रन्थ निकलेंगे वो ही तुम्हारे लिए सही होंगे।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

धर्म क्या है?

न हिन्दू, न मुसलमान, न सिख, न ईसाई, न बौद्ध, न जैन।

तुम स्वयं को पहचान जाओ, जीवन जीना सीख जाओ, जीवन को पहचान जाओ, स्वयं के स्वभाव को जान जाओ।

बस! उसी दिन तुम धर्म को भी जान जाओगे।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

जब इस दुनिया में सनातन धर्म नही था तब दुनिया में कौन सा धर्म था?

तुम्हें क्या लगता है बुद्ध, महावीर, नानक, कबीर, मोहम्मद, जीजस आदि महापुरुष सनातन धर्म को रटकर जागृत हुए थे?

"सनातन धर्म नामक कोई धर्म होता ही नहीं"।

हाँ ! धर्म जरूर सनातन होता है।

यानी धर्म जरूर स्थिर होता है। और वो इस्थिरता है प्रेम, करुणा, दया आदि गुण।

सोचो अगर हमारी ही दुनिया में मंदिर, मस्जिद, गिरजे, गुरुद्वारे नही होते, गीता, कुरान, बाइबिल, ग्रन्थ, धम्मपद आदि ग्रन्थ नही होते तो क्या दुनिया आज से बेहतर होती या आज की दुनिया बेहतर है?

अब सोचो और हसो अपनी ही मूर्खता पर।

16/09/2024, 16:49 parmatmana book - Google Drive

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

मनुष्य जीवन क्यों मिला और हम क्या करे जिससे यह मनुष्य जीवन सफल हो?

तुम्हारे पास एक ही विकल्प था सदियों से वह था कि तुम पुराने जन्मों-जन्मों के पापी हो और यह जीवन तुम्हें दुख भोगने के लिए मिला है और मरने के बाद ही स्वर्ग या जन्नत में जाकर ही तुम सुखी हो सकते हो।

आज हजारों वर्षों बाद मैं तुम्हारे सामने एक नया विकल्प खोल रहा हूँ कि यह जन्म तुम्हें सुख भोगने के लिए आनंद से रहने के लिए, उत्सव मनाने के लिए मिला है आन्नद तुम्हारा स्वरूप है और तुम चाहो तो इसी जीवन को स्वर्ग बना लो। तुम्ही परमात्मा हो और तुम्हारे अलावा कोई परमात्मा कहीं नहीं बैठा है। अब तुम्हारी जो इच्छा हो वही मानो!

चाहे यहां दुखी रहो और मरने के बाद स्वर्ग की कल्पना करो या मेरी बात मान कर आज ही सुखी हो जाओ।

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

क्या तुम परमात्मा दिखा सकते हो?

हाँ!

तुम देखने वाले को खोज लाओ परमात्मा एक क्षण में दिखा दूंगा।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

हमें कैसे ज्ञात होगा कि अब हमे वो मिल गया है?

जब तक अपने ही कपड़े फाडकर, चिल्लाकर और नाचकर कहने की इच्छा न हो कि तुमने उसे पा लिया है तब तक बिलकुल मत मानना कि तुम्हें वो मिल गया है।

अगर पहले ही घोषणा कर दी तो मानना वो हिन्दू मुस्लिम होने की ही तरह झूठ ही होगी।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

प्रज्ञावान और विद्वान में क्या भेद है?

प्रज्ञावान, बुद्ध अनुभवी होता है जबकि पंडित-विद्वान पढा लिखा होता है।

विद्वान तुमहे पंडित या साधक बनाता है और बुद्ध या प्रज्ञावान तुम्हें जड से मिटाता है।

पंडित-विद्वान शास्त्रों की बाते करता है क्योंकि अंधेरी गलियों में उसे डर लगता है और बुद्ध तुम्हें उन गलियों में से होकर ले चलता है जहां तुम्हारी मैं हमेशा-हमेशा के लिए खो जाए।

पंडित-विद्वान हजारों वर्ष पुराने मार्गो पर ही चलता है और बुद्ध पुरुष स्वयं का मार्ग बनाता है।

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

16/09/2024, 16:49 parmatmana book - Google Drive

श्रद्धावान लभते ज्ञानम्! क्या यह पंक्ति सही नहीं है?

तुम्हारे लिए झूठ है। क्योंकि तुम शास्त्रों पर और बाहर के मंदिर-मस्जिद पर श्रद्धा कर बैठ गए।

श्रद्धा स्वयं पर करनी थी न कि शास्त्र पर।

और तुम श्रद्धा कर बैठे दूसरे पर।

शंका करो सभी पर !

तुम्हारी शंका में से ही श्रद्धा का जन्म होता है। जो तुम सुनी सुनाई बातो पर श्रद्धा कर लेते हो वो शंका से भी खतरनाक है।

parmatmana

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

शास्त्रों की पंक्ति है कि ब्रह्म सत्य जगत मिथ्या! क्या यह सही नहीं है?

जितना जगत को मिथ्या मानते जाओगे उतना ही तुम मानने वाले को दृढ़ करते जाओगें और तुम्हारा होना और पक्का होता जाएगा।

तुम्हारा अहंकार और दृढ़ होता जाएगा और तुम उस परमात्मा से और दूर होते जाओगे।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

जीवन में क्या आवश्यक है?

प्रेम से जी लो, एक ही जिन्दगी हैं। न आत्मा है और न ही दूर कहीं मोक्ष है।

तुम ही पूरे-पूरे बाहर भीतर से ही आत्मा हो, परमात्मा हो, खुदा हो, अल्लाह हों।

जो कुछ है बस यहीं हैं।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

मनुष्य अपने ही बंधन क्यों नहीं खोल पाता?

यदि मनुष्य स्वयं का एक बार भी दर्शन कर ले तो सारे बंधन क्षण मात्र में उतार कर फेंक दें। लेकिन दूसरों की ओर देखने की आदत के कारण स्वयं को कभी भी देख ही नहीं पाता।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

जब यहां धर्मशाला की ही भांति आना-जाना है तो यहां कुछ भी कार्य क्यों करना? ऐसा संतो ने कहां है?

यह दुर्भाग्य है इस देश का कि लोग कह कुछ और गए और तुमने समझ लिया कुछ और। वो कह गए कि लालच मत करो और तुमने मान लिया कि कुछ काम ही मत करो, संसार को सजाओ ही मत क्योंकि यहां से तो चले जाना है।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

जब मौत निश्चित ही है तो जिन्दगी से इतनी आसक्ति क्यों?

तो क्या इसका मतलब यह मान ले कि पैदा होते ही बच्चे को अर्थी पर लेटा दें?

गंगा को पता है सागर में जाकर अपने ही अस्तित्व को खोना पड़ेगा लेकिन सागर मिलन की चाह अपनी मौत से भी नही घबराती।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

मुझे मुक्ति कब और कैसे मिलेगी?

वो तो आज ही मिल सकती है लेकिन तुमने जो यह मुझे की धारणा पकड़ रखी है उसे त्यागना पड़ेगा। क्योंकि जहां मुक्ति होगी वहां मुझे कहने वाला नहीं होगा।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

गंगा स्नान से क्या पुण्य मिलता है?

नहीं !

तुम्हारी मूढता ज्यादा दृढ़ हो जाती है क्योंकि पाप तो तुम मन से करते हो और गंगा में धो आते हो शरीर को।

parmatmana the ultimate wisdom

16/09/2024, 16:49 parmatmana book - Google Drive

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

क्या मंदिर में हृदय की तरफ से लेटकर प्रणाम करना सही है? जैसा कृष्ण भक्ति वाले करते है?

नही ! उन बिचारो को तो यह भी नहीं पता कि जिस हृदय से प्रेम होता है वह देह में कही भी नही है। उन्हें तो जैसा उनके गुरु समझा गए वैसा ही करे जा रहे है।

और बड़े मजे की बात है उनके गुरु को भी नहीं पता था कि प्रेम करने वाला ह्रदय देह में होता ही नहीं। वो भी अपने गुरु की ही बात मानकर पूरा जीवन वही करते रहे।

16/09/2024, 16:49 parmatmana book - Google Drive

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

क्या दान, दक्षिणा से कुछ लाभ होता है?

नही ! अगर तुम दान दक्षिणा के बदले अपने पापों का सौदा करना चाहते हो तो यह मुमकिन नहीं है।

हां! यही काम अगर तुम समाज सेवा करके लोगों को शिक्षित और उनका जीवन उत्तम करने को करते हो तो यह परमात्मा यानी जीवन की ही सेवा है। अच्छा कार्य है लेकिन धर्म का कुछ भी लेना-देना नहीं है क्योंकि धर्म को लेना देना केवल मनुष्य से होता है।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

क्या हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई को किसी दूसरे से खतरा है?

सोया हुआ व्यक्ति कब किसी की छाती पर पांव रख दें क्या पता।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

खुदा को कहां ढूंढ़ें?

तुम काबा जाओं या काशी! कहीं न पाओगे। क्योंकि तुम्हारी आंखें ही बंद है। तुम्हारे सामने खुला बिखरा पडा है ब्रह्म चारों तरफ। तुम्हें देखना ही नही आता।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

क्या कृष्ण, बुद्ध, महावीर, नानक, कबीर के समय में धरती पर धर्म था?

नही!

धर्म धरती पर नहीं व्यक्ति में होता है। उन महापुरुषों में था तुम तो तब भी ऐसे ही खाली थे। पूरा जीवन आनंद बुद्ध के साथ रहा लेकिन खाली, पूरा जीवन गौतम महावीर के साथ रहा लेकिन खाली।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

मरते समय राम नाम या गंगा जल का क्या लाभ?

जो व्यक्ति पूरा जीवन बंधन में रहा तुम सोचते हो मरते वक्त राम नाम से या गंगा जल की 2 बुंद से कोई लाभ होगा। लाभ जीवन में चाहिए था कि मुक्त जी पाता। लेकिन वो तो बंधा रहा अपनी ही परंपराओं से विचारधारा से।

मरकर लोग मुक्त नहीं होते बंधन में ही रहते है।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

क्या मुसलमान धर्म बनने से पहले सभी हिन्दू या सनातन थे?

चाहे हिंदू हो या सनातन! लेकिन धार्मिक कोई भी नही था। धार्मिक व्यक्ति हिन्दू-मुस्लिम या सनातन होता ही नहीं। अब तुम आज वेजिटेरियन हो तो क्या हुआ। हमारे सभी के पूर्वज तो मांसाहारी ही थे तो क्या कोई लाभ या हानि हुई? तो चाहे वो पहले हिन्दू थे या नहीं कुछ फर्क नही पड़ता।

हाँ ! इससे इतना जरूर पता चलता है कि तुम हिन्दू या सनातन कहे जाने वाले लोग सबसे ज्यादा बड़े समय से ही मूर्खता करते आ रहे हों। यानी हम ही नहीं हमारे पूर्वज भी सोए हुए थे।

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

क्या धर्म परिवर्तन से कोई लाभ या हानि होती है?

हां!

जब तुम एक पिंजरे से ऊब जाते हो तो दूसरा पिंजरा अच्छा लगता है। मुर्दे को कंधे पर उठाते समय लोग कंधे बदलते है न। लेकिन लाश का बोझ तो उतना ही रहता है कम थोड़े ही होता है।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

प्रश्न क्या विधि विधान करें कि हमें भी वो मिल जाए जो तुम्हें मिला है?

तुम विधि विधान, मंदिर, मस्जिद, मंत्र, शास्त्र सभी बदलने को तैयार हो जाते हो। यहाँ तक कि उल्टा धर्म भी छोड़कर दूसरा कचरा धर्म अपनाने को तैयार हो जाते हो। लेकिन स्वयं को बदलने के लिए तैयार नहीं होते। जिस दिन स्वयं को बदलोगे उस दिन तुम्हें भी वो मिल जाएगा।

बस तुम्हे स्वयं को बदलना होगा।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

प्रबुद्धजन से दीक्षा लेने से या उन्हें प्रणाम करने से क्या लाभ होता है?

कुछ नहीं।

प्रबुद्धजन तुम्हें अपने से भी मुक्त होने को कहते हैं और तुम उन्हीं से बंधन बांध लेते हो। पंक्ति सुनी है ना तुमने

"तू जाग जा तू भाग जा"।

बंधना किसी से भी नहीं है। स्वयं से भी नहीं।

चरैवेति - चरैवेति !

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

लोग ज्यादातर गीता कुरान बाइबिल ग्रंथ ही क्यों सुनना चाहते हैं? मुक्ति की बातें अच्छी होने के बाद भी कोई सुनना नहीं चाहता। क्यों?

लोग सच सुनना ही नहीं चाहते। हजारों वर्षों की बेड़ियाँ भी आभूषण सी ही प्रतीत होती हैं। उसको हमारे पूर्वज पहनते आ रहे हैं, उनके पहनने से भरोसा पक्का हो जाता है कि सदियों से ही वो पहनते आ रहे है कोई पागल थोड़े ही थे।

और मजे की बात तो ये है कि उन्होंने भी अपने पूर्वजों के बारे में यह धारणा पाली हुई थी।

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

प्रबुद्धजन संसारी लोगों की दृष्टि इस में पागल से क्यों प्रतीत होते हैं?

तुम भी जरा ध्यान से चलना इस राह पर क्योंकि जीते जी जिसके भ्रम टूट टूट जाते है। वो सांसारिक दृष्टि में पागल से ही प्रतीत होते है।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

क्या प्रबुद्धजनों की मृत्यु होती है ?

हाँ!

लेकिन जीते जी ही हो जाती है। 70 से 80 वर्ष के बाद तो देह जाती है।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

कौन सा नाम जपें, या किसकी पूजा करें जिससे हम सुखी हो जाए? जैसे पीले कपड़े वाले महात्मा सुख पाने के लिए २४ नाम जपने के लिए कहते है क्या वो ठीक नहीं है?

दुनिया का सबसे बड़ा झूठ यही है कि तुम्हे कोई दूसरा व्यक्ति, नाम, या देवता आदि सुखी करेगा। हजारों जन्मों से तुम यही धरणा पाले हो। तुम नचाये जा रहे हो मूढ़ो के हाथो से।

अब तो जागो।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई बौद्ध या जैन कौन सा धर्म ठीक है?

तुम्हारा सभी का धर्म पाखण्ड करवाता है, एक दूसरे से लड़वाता है दंगे करवाता है दूसरे धर्म वाले को अपने धर्म में मिलाने को कहता है, धर्म की रक्षा के लिए हथियार उठाने को कहता है । धर्म युद्ध में अपनी बलि देने को कहता को कहता है। धर्म युद्ध में मरने से स्वर्ग जन्नत के स्वप्न दिखाता है।

माफ करना तुम धर्म के नहीं कल्ट के सदस्य हो?

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

कैसे ज्ञात होगा कि सत्य मिल गया है?

जब तुम्हारा घट फूट जाए।

क्योंकि जब तक घट साबुत बचा है तब तक नहीं मानना कि वो विराट उतरा। क्योंकि विराट उतरे और तुम्हारा घट साबुत बचे? ऐसा तो हो ही नहीं सकता।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

क्या आत्मा आती जाती है?

घट को एक जगह से दूसरी जगह ले जाने से आकाश कहीं आता जाता नहीं है। उसी प्रकार आत्मा कहीं आती जाती नहीं है।

सागर में मटका डालो दाएँ बाएँ चलाओ तो सागर दाएं बाएं नहीं होता, घट ही दाएं बाएं होता है।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

शास्त्र सभी कुछ अलग ही कहते हैं। लेकिन बुद्ध, महावीर, कृष्ण, जीसस, मोहम्मद अपनी ही ढपली बजाते हैं। क्यों?

क्योंकि शास्त्र विद्वानों ने लिखे हैं। अनुभवियों ने नहीं।

अनुभव वाला अपना ही अनुभव बखान करेगा, तुम उसके कहे अनुसार भी अगर शस्त्र बनाने की सोचोगे तो वो भी उससे भिन्न ही होगा।

नर्तकी का दूसरा आदमी चित्रण करके कैसे लिख सकता है कि नृत्य कैसा था।

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

मोक्ष,मुक्ति, निर्वाण कहाँ है?

प्रश्न ही गलत है, ये पूछो कि मैं आज अभी मोक्ष, निर्वाण, मुक्ति को उपलब्ध कैसे हो सकता हूँ?

parmatmana
the ultimate wisdom

16/09/2024, 16:49 parmatmana book - Google Drive

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

मरने के बाद हम कौन सी जगह जाएंगे?

नींद में तुम्हे चाँद पर भी घुमा कर ले आया जाए तो क्या लाभ? पूरा जीवन बंधन में रहते हो और मरने के बाद की चिंता करते हो?

कहीं भी पटके जाओ तुम्हें दुख नहीं होगा। क्योकि तुम्हे कुछ भी भान नहीं होगा।

parmatmana
the ultimate wisdom

16/09/2024, 16:49 parmatmana book - Google Drive

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

आज कौन सा महात्मा सही है?

बड़े शर्म की बात है जिंस देश में बुद्ध, महावीर, कृष्ण, नानक, कबीर जैसे महापुरुष जन्मे! जिनका मुकाबला पूरी दुनिया में नहीं है। वो देश आज पाखंडियों के, अनपढ़ राजनेताओं के हाथ की कटपुतली बना हुआ है।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

हम देश के लिए, धर्म के लिए क्या करें?

अभी भी वक्त है उठ खड़े हो जाओं। अपनी आवाज इतनी बुलंद कर दो कि वो तुम तक पहुँच जाये।

हाँ, तुम्हारी आवाज तुम तक पहुँच जाए। ये देश फिर से खड़ा हो जाए। तोड़ डालो सारी पुरानी बेड़ियों को आजादी की घोषणा कर दो।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

इस देश से बुद्ध के भिक्षुओं को भगा दिया या जिंदा जला दिया गया ऐसा क्यों?

यह शायद मेरे साथ भी हो। यहाँ अनपढ़, गवार की संख्या इतनी ज्यादा है कि जब कोई एक बुद्ध लोगों को जगाने की कोशिश करता है तो वो सभी मिलकर उसे ही सुलाने की साजिश कर लेते है।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

कहीं ऐसा तो नहीं की तुम्हारी बातें माने और अपने हिंदू या मुसलमान होने से भी हाथ धोना पड़े?

हिंदू, मुसलमान, सिख, ईसाई, बौद्ध, जैन तो छोड़ो तुम्हे स्वयं से भी हाथ धोना पड़ेगा। लेकिन फिक्र मत करो, यही होता है नदी के साथ भी। नदी जब सागर से मिलती है तो नदी तो नहीं बचती लेकिन सागर जरूर बन जाती है।

बस यही होगा तुम्हारे साथ भी। तुम हिन्दू मुस्लिम तो नहीं बचोगे लेकिन खुदा जरूर हो जाओगे।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

क्या धर्म की रक्षा के लिए हथियार उठाना ठीक है ?

नहीं !

इंसान को मार कर धर्म की रक्षा करने से अच्छा है धर्म को मारकर इंसान की रक्षा कर ली जाये।

parmatmana
the ultimate wisdom

16/09/2024, 16:49 parmatmana book - Google Drive

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

पाप क्या है?

निद्रा ही पाप है और सारे पाप तो उसी की छाया मात्र है।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

असल में धर्म का नाम क्या है?

जिस ग्रह पर हम रहते है इसको पृथ्वी नाम तुमने दिया वास्तव में पृथ्वी का मतलब होता है भूमि! और साथ के ग्रहों को भी नाम तुमने दिया मंगल, बुध, शनि आदि।

वास्तव में सत्य का कोई नाम नहीं होता। और जो अनाम है वही तो विराट है सत्य ही धर्म है ब्रम्ह है।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

हम सुखी कैसे होंगे?

सुख को पाने के लिए तुम तीर्थ, जप, तप, व्रत, अनुष्ठान किए जा रहे हो। तुम्हारी पीढ़ियां सदियों से यही करती आ रही है। सुख को पाने को कुछ भी उपाय नहीं करना है। दुख दूर करने के उपाय करें फिर जो बचेगा वह सुख ही होगा।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

गुरु कौन सा सही है?

पूरा अस्तित्व ही गुरु है तुम बस शिष्य बनने को तैयार हो जाओ। यह जो तुम्हें किसी एक गुरु से बंधने के बारे में समझाया गया है यह पाखंडियों ने ही समझाया है क्योंकि वह नहीं चाहते कि उनकी भेड़ें किसी और के बाड़े में चरने चली जाए।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

गुरु शिष्य को कहां तक ले जाता है?

गुरु कहीं भी नहीं ले जाता है और अंगुली पकड़कर ले जाने वाला गुरु ही नही होता वो पाखंडी तो बस उंगली पकड़कर यूं ही घूमता रहता है।

असली गुरु तो बस इशारा मात्र करता है। तेरना सिखाने वाला गुरु क्या करता है केवल तुम्हें पानी में धक्का ही तो मारता है तैरना तो तुम स्वयं ही सीख लेते हो।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

मनुष्य इतना कठोर क्यों होता जा रहा है?

पत्थरों को पूजोगे तो हृदय पत्थर का ही होगा। जिन्दा लोगों से प्रेम करते तो तुम्हारा हृदय भी जिन्दा ही होता।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

संसार में कभी कभार देखने को आता है कि लोग लाशों को भी साइकिल, रिक्शा, या गोद में उठाकर ले जाने को मजबूर होते है? ऐसा क्यों?

यह भारत का दुर्भाग्य है कि यहां लोग मनुष्यों से ज्यादा धर्म को महत्व देते है उन्हें जिन्दा मनुष्यों से ज्यादा मरी हुई पत्थरों की मूर्तियों की सेवा करना ज्यादा उत्तम लगता है। बुद्ध, महावीर, नानक, कबीर के देश में ऐसा होगा शायद उन्होनें कभी कल्पना भी न की होगी।

parmatmana the ultimate wisdom

16/09/2024, 16:49 parmatmana book - Google Drive

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

क्या मंदिरों में सोने चांदी के आभूषण चढ़ाना गलत है?

हां!

क्योंकि जिस देश में लोग अपने परिजनों के शवों को भी पैसे के अभाव के कारण एंबुलेंस में ले जाने में असमर्थ हो और वहां पत्थरों की मूर्तियों के लिए सोने चांदी के आभूषण बनाए जाते हो यह कोरी मूर्खता नही तो और क्या है।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

बुद्ध जनो का मुख्य संदेश क्या है?

अजीब पागल है लोग सभी बुद्धजन हमें मुक्त करना चाहते है और हम उन्ही से अपने बंधन बांध लेते है।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

क्या शूद्र से भेदभाव गलत है? जैसा आदि शंकराचार्य भी करते थें?

कितने शर्म की बात है हमारे देश के लिए कि हम जानवर को घर मे अपने साथ सुला लेते है लेकिन एक शूद्र या दूसरे धर्म के व्यक्ति के घर खाने से धर्म भ्रष्ट होने का खतरा मान लेते है।

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

जब हम आंखें बंद कर भगवान का ध्यान करते है तो कृष्ण की मूरत नजर आती है क्या ऐसे ही होते है भगवान के दर्शन?

अगर मोदी पाकिस्तान में पैदा होता तो आज अल्लाह हू अकबर कह रहा होता। यहां पैदा हुआ तो राम-राम कह रहा है। ऐसे ही तुम्हारे साथ भी हो रहा है।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

अगर हम भगवान में ही मन लगा ले तो क्या हम उसको पा सकते है?

जहॉ तक मन की दौड़ है उससे भी कहीं आगे उसका जगत है तुम उसे मन से न पकड़ पाओगें।

महावीर ने कहां है न कि र्निमना अवस्था चाहिए।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

भगवान की लीला के बारे में क्या कहेंगें?

लीला का मतलब होता है अकारण ही बिना हेतु के जो किया जाए। और इतना सुन्दर संसार अकारण ही बना है यह है लीला। न कि मूढों की तरह नाचना। और सड़को पर कृष्ण लीला या राम लीला जैसी नौटंकी करना।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

जागने के लिए कौन सी आयु अच्छी है?

प्रश्न केवल जागने का है इस बात से कोई भी अंतर नहीं पड़ता कि तुम जीवन के किसी क्षण में जागते हो या मृत्यु के क्षण में।

parmatmana
the ultimate wisdom

16/09/2024, 16:49 parmatmana book - Google Drive

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

कौन सा मंत्र, यंत्र, साधना-सिद्धि, उपाय या तीर्थ यात्रा हमें सुखी करेगी?

मनुष्य कितने बड़े झूठ में जीता है कि वह कल सुखी होगा। तुम स्वयं केवल अपना भाग्य बदल सकते हों और कोई भी नहीं। और यह भारत का दुर्भाग्य है कि झूठे धर्मों ने सदियों से भारत को गुमराह कर रखा है।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

कौन सी प्रार्थना उत्तम है?

अगर तुम्हारी आंखे नम हो, स्वयं के आनंद में हो तो उससे सुन्दर कुछ भी नहीं। कोई प्रार्थना नहीं, कोई नमाज नहीं, कोई यज्ञ नहीं, कोई दान नहीं। उसे तुम्हारी नम आँखे क्षण भर में देख लेगी।

parmatmana
the ultimate wisdom

16/09/2024, 16:49 parmatmana book - Google Drive

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

धर्म कैसा होना चाहिए?

धर्म ऐसा होना चाहिए जो तुम्हारे चेहरों पर आज प्रसन्नता लाए।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

परमात्मा आज क्यों नहीं दिखता?

क्योंकि तुमने नकली परमात्मा गढ़ें है। और तुम उसी नकली विचारधारा का चश्मा लगा कर उसे देखना चाहते हो।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

क्या सभी वस्तुएं भी जीवित होती है?

जब तक तुम जागृत नहीं होते तब तक जीवित भी तुम्हे मृत से दिखते है और जिस क्षण तुम जागृत हो जाते हो उस क्षण सारे मृत भी तुम्हारे लिए जागृत हो जाते है फिर पशु, पक्षी, वृक्ष, पर्वत, नदिया, उपवन सभी तुमसे बातें करते है।

parmatmana the ultimate wisdom

16/09/2024, 16:49 parmatmana book - Google Drive

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

उस परमात्मा को पूरा-पूरा कैसे जाना जा सकता है?

तुम परमात्मा को जान कैसे सकते हो तुम हो तब भी अस्तित्व है तुम नही थे तब भी वो था तुम नहीं रहोगे तब भी वो रहेगा। तुम्हारा होना इतना क्षणिक है और उसको समझना बहुत मुश्किल।

parmatmana
the ultimate wisdom

16/09/2024, 16:49 parmatmana book - Google Drive

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

हमें परमात्मा का खुदा का अनुभव क्यों नही हो पाता?

तुम्हारा तथाकथित धर्म ही तुम्हारी आंख की किंकरी है। उस किंकरी को निकल बाहर फेंक दो दृष्टि स्वयं साफ़ हो जाएगी। और सभी कुछ उजागर हो जायेगा।

“एक छोटी सी किंकरी सामने विद्यमान हिमालय को छिपा देती है”।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

यज्ञ कैसे करना चाहिए?

उस विराट में स्वयं की आहुति देना ही यज्ञ है। तुम स्वयं को बचाना छोड़ दो यज्ञ पूर्ण हो जायेगा।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

भवसागर कहां होता है? क्या मरने के बाद उसे पार करना होता है?

तुम्हारे इसी जीवन का नाम तो भव सागर है। और इसे ही हसी ख़ुशी जीना होता है।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

जीवन के लिए क्या-क्या नियम है?

अगर तुम जाग गए तो कोई भी नियम नहीं है तुम्हारे लिए।

नियम मशीनों के होते है चेतना के नही।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

क्या हमें भी किसी बुद्ध की नकल करनी चाहिए और वैसा ही बनने की कोशिश करनी चाहिए?

सृष्टि का एक भी पत्ता दूसरे के जैसा बनने की कोशिश नहीं करता तो और तुम दूसरा होना चाहते हो।

तुम बस आँखे खोलो और तुम केवल तुम जैसे हो जाओ।

पूरे अस्तित्व में एक जैसी दो वस्तुएं कभी भी नहीं मिलेगी जो परमात्मा की बनाई हुई होंगी और तुम बार-बार बुद्ध, महावीर, मौहम्द, जीजस, नानक बनने की चाह में अपना होना भी भूल जाते हो।

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

हम बुद्धत्व को कैसे उपलब्ध होंगे?

जिस प्रकार एक जलती हुई मोमबत्ती से बिना जली मोमबत्ती भी जल सकती है उसी प्रकार बुद्ध पुरुषों के संग से अबुद्ध भी बुद्ध बन जाते है।

parmatmana the ultimate wisdom

16/09/2024, 16:49 parmatmana book - Google Drive

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

शास्त्रों में जो परमात्मा के चमत्कारों का वर्णन है क्या वो सत्य है?

बुद्ध जगाते है चमत्कार नही करते। चमत्कार दिखाना बुद्धो का काम नहीं मदारियों का काम है। और जो कहानियाँ तुमने बुद्धो के माफिक पढ़ी है वह बुद्धो के बाद बुद्दुऔं ने गढ़ी है।

कृष्ण, बुद्ध, महावीर, मोहम्मद, नानक, कबीर आदि महापुरुषों ने तो जीवन को जिया।

कहानिया तो तुमने गढ़ी।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

क्या विराट को देखने की आंखें गुरु या कोई बुद्ध ही दे सकता है?

बुद्ध तुम्हे आँख नही देते वो तो तुम्हारे पास है ही। बुद्ध तो तुम्हारी आंखों में देखने की क्षमता का पता तुम्हे बताते है।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana the ultimate wisdom

कौन सा शास्त्र ठीक है जिससे प्रज्ञा, बोध, जागरण आ जाए?

प्रज्ञा, बोध, जागरण पुस्तकों से कभी भी नही समझा जा सकता।
तुम भी चलो! रुको मत कहीं भी।

वो समय के साथ-साथ स्वतः ही आ जाएगा।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

दुनिया में ज्ञान किस मंदिर-मस्जिद से मिल सकता है?

ज्ञान कोई भी बाहर से तुम्हे नही दे सकता। ज्ञान भीतर से ही पाया जा सकता है वो भी अपने भीतर की माटी खोदकर। कोई दूसरा तुम्हारे भीतर ज्ञान भर देगा ऐसा सोचना ही मूर्खतापूर्ण है।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

क्या ठहरने से ही बोध मिलता है?

हां!

लेकिन चलने से पहले, कुछ करने से पहले ही मत ठहर जाना। जिस दिन तुम कर करके हाथ खड़े कर देते हो उसके बाद ही आस्तित्व तुम्हारे सामने सारे द्वार खोलता है।

parmatmana the ultimate wisdom

16/09/2024, 16:49 parmatmana book - Google Drive

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

मैं ध्यान में किसका अनुभव करु? मैं हिन्दू हूँ तो क्या शिव का ध्यान करू?

जैसे जल का कोई रंग नही होता अगर जल में कोई रंग दिखाई दे तो जानना जल शुद्ध नहीं है

उसी प्रकार अगर ध्यान में भी कोई प्रतीति हो चाहे सुख हो, आन्नद हो, गुरु दिखे, देवता दिखे या कुछ भी। तो वह ध्यान नहीं भ्रम है।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

हमारा अंतिम लक्ष्य क्या होगा?

जिस प्रकार सभी छोटी बड़ी नदियां, नाले, झरने जो भिन्न-भिन्न स्थानों से आते है अंत में जाकर एक ही समुंद्र मे मिल जाते है उसी प्रकार तुम हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई कोई भी हो अंत तुम्हारा सभी का एक ही है और वो है उस परमात्मा मे मिलना, अल्लाह मय हो जाना, आस्तित्व में समा जाना।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

क्या परमात्मा के सम्बन्ध में जानना मुमुक्षा है?

अपने सम्बन्ध में जानना ही मुमुक्षा है।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

जिसको हम परमात्मा या खुदा कहते हो उसका दर्श अगर हो भी तो कैसे ज्ञात होगा कि वो वही है?

जब तुम अकेले ही नृत्य कर सको तभी जानना उसका दर्शन हो गया। लेकिन यहां उसका से तात्पर्य केवल तुम्हारे से ही है। क्योंकि वो न तो ज्ञाता है, न ज्ञान है, वो तो अज्ञेय है।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

शास्त्रों का कहना है कि 4 प्रकार के लोग उसे खोजते है? क्या यह सही है?

नही !

जिज्ञासु की जिज्ञासा से उसका पता नहीं चलता बल्कि मुमुक्षु की मुमुक्षा से उसका पता चल जाता है।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

हम परमात्मा को कैसे जान सकते है?

तुम परमात्मा बन कर ही उसे जान सकते हो। बूंद सागर बनकर ही सागर को जान सकती है। तुम जिस दिन उसे जान लोगे उस दिन जानने वाला नहीं बचेगा।

मैं को खोकर ही तू को पाया जा सकता है।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

परमात्मा का जन्म कब हुआ तथा कैसे हुआ?

जिस दिन तू मरेगा उस दिन ही तेरा परमात्मा जन्मेगा। फिर जान लेना की जन्म कब हुआ।

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

हम ब्रह्म को कैसे छू सकते है?

जिस दिन बांधने वाली मुट्ठी न होगी उस दिन सारा आकाश तुम्हारी मुट्ठी में होगा। [खोलो अपनी हथेली को देखो वहां प्रकाश बिखरा दिखेगा। अब मुठी बंद करो देखो प्रकाश छिटक गया।

"मैं का अहंकार हटा दो वो पहले से ही तुम्हारे सिर चढ़ा बैठा है"।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

धर्म की परिणीति तक पहुंचना क्या है?

"तुम होना चाहते हो और धर्म मिटने की कला है"।

अगर कुछ होना चाहते हो तो केवल हिन्दू-मुस्लमान ही हो जाओं क्योंकि धर्म में तो तुम कहीं के न बचोगे।

धर्म कुछ बनने का नाम नहीं मिटने का दुस्साहस है। तुम मरो और देह बचे तभी तुम धर्म की परिणीति तक पहुंच सकते हो। तुम अपने भीतर से हटो तो ही वो विराजमान होगा।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

क्या जिज्ञासा धर्म प्राप्ति का प्रथम चरण है?

जिज्ञासा पाण्ड़ितय का आधार है। जिज्ञासा धर्म का आधार नही वो तो उल्टा अड़चन है।

तुम्हारा मरना ही धर्म प्राप्ति का पहला और आखिरी चरण है।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

भीतर के संदेह कैसे समाप्त होंगे?

सत्य के दर्शन होते ही सारी मर्ग मरीचिका छिन्न-भिन्न हो जाती है। अंधकार को समाप्त करने की मत सोचो दीपक जलाने की सोचो अंधकार स्वयं छिन्न-भिन्न हो जायेगा।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

परमात्मा प्राप्ति में कौन बाधक है?

परमात्मा प्राप्ति में केवल तुम ही बाधक हो।

परमात्मा तुम्हारी मृत्यु पर तुरंत प्रकट होता है।

लेकिन देह की मृत्यु पर नहीं! मैं की मृत्यु पर।

तुम्हारा विसर्जन और उसका आगमन एक ही साथ घटता है।

"मिटो तो पाओ"।

तुम्हारा मरना हो जाये और उसका जन्मना हो जाये।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

क्या प्रबुद्ध जन सभी को अज्ञानी समझते है?

नहीं!

प्रबुद्धजन दूसरे को नही स्वयं को अज्ञानी समझते है। वो समझ चुके होते है कि जो खोजने से नहीं मिला था वो बिना खोजे स्वयं मिल गया। और जब मिलता है तो हंसी आती है स्वयं पर।

कितने पागल थे हम सदा से ही तो वो सामने खड़ा था।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

क्या शूद्र अछूत होता है?

अछूत तो केवल परमात्मा है। तम्हारे भेदभाव करने वाले समाज ने ये ठीकरा शुद्रों पर मढ़ दिया। अछूत जिसे छुआ ही न जा सके।

“यानी परमात्मा, खुदा अछूत है”।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

सत्संग से क्या कुछ लाभ होता है?

हिन्दू-मुस्लिम बुद्दुओं का संग तुम्हें बुद्धू बनाता है और बुद्ध का संग बुद्ध बनाता है।

बुद्ध संक्रामक रोगी होते है उनके पास बहुत ही सोच समझ कर जाना चाहिए।

क्योंकि पागल के साथ बैठेंगे तो तुम भी पागल ही बनोगे।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana the ultimate wisdom

धर्म की खोज क्या है?

स्वयं की खोज ही धर्म की खोज है।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

क्या शरीर के साथ ही आत्मा भी मिल जाती है?

शरीर माता-पिता से प्राप्त होता है लेकिन आत्मा की यात्रा तुम्हे स्वयं करनी होती है।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

क्या धर्म गीता या कुरान से नहीं प्राप्त होता?

धर्म के लिए अज्ञात में छलांग लगानी होती है। धार्मिक होना साहस का कार्य है।

जिसे तुम लेकर पैदा होते हो वो धर्म नहीं है।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

संसार में सभी कुछ बढ रहा है लेकिन धर्म घट रहा है। क्यों?

क्योंकि धर्म नासमझों के हाथ में आ गया है। सभी भूखे, नंगे, भिखमंगे, कामचोर प्रवर्ति के लोग, आपराधिक प्रवर्ति के व्यक्ति किसी भी धर्म का चोगा ओढ़ कर स्वांग रचाकर धर्म की बागडोर अपने हाथ में थाम लेते है। और धर्म को गलत दिशा में ले जाते है।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

खुदा से मिलना कैसे संभव है?

अपनी आत्मा की आग इतनी प्रज्वलित करो कि वहां उस आग के अलावा कुछ भी न बचे। बस वो शुद्ध आग ही तुम्हे परमात्मा से मिला देगी।

parmatmana the ultimate wisdom

16/09/2024, 16:49 parmatmana book - Google Drive

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

क्या किसी बुद्ध से मिलकर हम तृप्त हो पाएंगे?

तृप्ति मुझसे नहीं मिलेगी तृप्ति तुम्हारे भीतर घटेगी। जब तुम्हारी आत्मा की पुकार गगन भेद दे तब उसकी ओर तुम्हारे कदम स्वयं ही बढ़ जाते है। वही क्षण तुम्हें तृप्ति देगा।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

मृत्यु से कैसे बचा जा सकता है हम कौन सा मंत्र जपे?

तुम मौत खोजते हो मैं तुम्हें जीवन खोजना सिखाता हूँ। मौत आए इससे पहले जीवन जीना तो सीख जाओ।

मौत आये इससे पहले पीछे से जाकर धप्पा कर दो। मौत हार जाएगी तुम जीत जाओगे।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

कौन सा धर्म उत्तम है?

मैं तुम्हारा कैदखाना नहीं बदलना चाहता हूँ मैं तो तुम्हें कैदखानों से ही मुक्त करना चाहता हूँ।

और जो तुम्हें कैदखानों से ही मुक्त कर दे वहीं धर्म उत्तम है।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

ध्यान क्या है?

तुम्हारें विचार मुक्त होने की कला। तुम्हारे अन्नत ब्रहाण्ड़ में उड़ने की कला।

जरा ध्यान से यहाँ तुम्हारा मन मर जायेगा।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

हम भी अध्यात्म में ऊपर कैसे उठ सकेंगे?

पंख लगाकर। और पंख तो तुम लेकर ही पैदा हुए होते हो।

मैं तो तुम्हे पंख फडफड़ाना ही सीखाता हूँ फिर उड़ तो तुम स्वयम् ही सकते हो।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

तुम्हारा मार्ग क्या बुद्ध या गीता का मार्ग है?

नहीं।

मेरा मार्ग तो मेरा मार्ग है वह न तो बुद्ध का मार्ग है और न ही महावीर का, न हिन्दू का, न मुस्लिम का, न सिख का, न ईसाई का।

"केवल देखो मेरी मस्ती को और जियो मेरी तरह"।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

क्या तुम भी एक धर्म की दुकान ही खोलना चाहते हो?

नहीं!

मुझे शिष्य नही बनाने मुझे तो एक ऐसा बगीचा बनाना है जहां विश्व भर से पक्षी आएँ, बगीचे में बैठे, चहचहाए, नाचे और फिर जीवन की एक लम्बी उड़ान को उड़ जाए।

तभी तो मैं कहता हूँ

"तू जाग जा तू भाग जा"।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

खुदा कैसा दिखता है?

मैने देखा है उसे ! लेकिन फिर भी तुम्हे समझा न सकूँगा कैसा दिखता है। हाँ लेकिन दिखा जरूर दूंगा। फिर तुम स्वयं जान लेना और देख लेना कि वह कैसा है।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

बड़े भाग्य से मनुष्य जीवन मिलता है इसका वर्णन करें?

आज भी समय है, उठ सको तो उठो जागो! वरना समय फिर बीत जाएगा। जीवन मिल ही गया है।

चेतो अब तो चेतो।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

तुम पंडित की ही धोती क्यों खोलना चाहते हो?

मैं जिस पांडित्य की बात करता हूं उसे केवल तिलक धारी पंडित मत समझ लेना। तुम्हारा अहंकार ही वास्तव में पाण्डित्यं है जो चाहता है बुद्ध बनो, महावीर बनो, जीजस बनो, मोक्ष चलो, मुक्ति चलो, स्वर्ग चलो।

और में तुम्हारे उसी पांडित्य को नग्न कर देना चाहता हूँ।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

तुम क्या प्रयास कर रहे हो?

मैं असम्भव के विरुद्ध लड़ रहा हूँ देखते है कौन-कौन साथ खड़ा होता है। शायद भारत का सूर्योदय हो ही जाये।

शायद तुम्हारी भी जन्मो जन्मो की दौड़ मिट जाये।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

तुम संसार को कैसा बनाना चाहते हो?

मैं चाहता हूँ सभी प्रकार की धर्मान्धिता का अंत हो। मैं चाहता हूँ कि धर्म के नाम पर जो तुमने कटुताओं को हृदय में दबा रखा है उसका अंत हो।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

क्या धर्म दिया या लिया जा सकता है?

धर्म को दिया जा सकता है लेकिन शर्त यह है कि वो तुम्हारे पास होना भी चाहिए। लेकिन वैसे नहीं जैसे तुम हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई को देते हो। वो तो मूर्खता की बात है।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

धर्म कैसा हो?

जीता जागता!

और मैं तुम्हे आज का वैज्ञानिक धर्म सिखाता हूँ इसलिए ही कहता हूँ कि विश्वास मत करो मेरे पास आओ।

मैं तुम्हें उसका साक्षात्कार करवाऊँगा। विश्वास तो उन वस्तुओं पर किया जाता है जिन्हें खोजा न जा सके।

मैं तुम्हें जीता-जागता धर्म सिखाता हूँ ।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

धर्म के गुण क्या है ?

मैं एक सार्वभौमिक धर्म को इस दुनिया में लाना चाहता हूँ जिसमे हिन्दुओं की सी सहनशीलता हो, इस्लाम का सा भाई चारा हो, ईसाइयों की सी दया भावना हो, बुद्ध की करुणा हो तथा महावीर की अहिंसा हो।

आज समाज की मांग है ऐसा धर्म।

अगर हम पृथ्वी को, आने वाले समाज को जीता हुआ, पनपता हुआ, खुशहाल देखना चाहते है तो यह अति आवश्यक है।

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

मंदिर-मस्जिद, गिरजे-गुरुद्वारें गलत क्यों है? तुम इन्हें बदलने की बात क्यों करते हो?

मैं एक बगीचा बना रहा हूँ और नए पौधे लगाने के लिए मुझे कंकड़-पत्थर हटाने ही पड़ेगें। फिर तुम नए मंदिर बना लेना।

जिसमें मनुष्य को मनुष्य का दर्श हो सके।

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

तुम कड़वी बातें क्यों बोलते हो?

मैं तुम्हारे सारे स्वपन तोडना चाहता हूँ क्योंकि सुनहरी सपनो में किसी की भी नींद नही टूटती।

उसे नींद से जगाने के लिए बम्ब फोड़ने ही पड़ते है।

parmatmana
the ultimate wisdom

16/09/2024, 16:49 parmatmana book - Google Drive

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

अमृत क्या है?

मैं जो तुम्हे पिला रहा हूँ उसे कंठ तक पीते जाओ।

वही अमृत है जो तुम्हें जन्म मरण से मुक्त कर देगा।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

विराट कैसा दिखता है?

आंखें बंद करो और देख लो मेरी विराटता।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

पुराने धर्मों में गलत क्या है?

कितना बडा परिवर्तन किया होगा तुम्हारे सबकॉन्शियस में जब तुम एकदम जीवन खोजना छोड मौत खोजने लग जाते हो धर्म के नाम पर।

और इससे भी ज्यादा गलत कुछ हो सकता है क्या ?

और तुम्हारे धर्मो में फेर बदल नहीं उसे उखाड़ फैकने की आवश्यकता है।

parmatmana
the ultimate wisdom

16/09/2024, 16:49 parmatmana book - Google Drive

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

क्या मंदिर की मूर्ति गलत है?

अगर परमात्मा की बनाई हुई मूर्ति में ही तुम्हे कुछ नही दिखता तो इन्सान की बनाई मूर्ति में तुम्हे ईश्वर कैसे दिख सकता है?

तुम केवल दिखावे के ही धार्मिक हों।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

सही में ब्राह्मण कौन है? क्या हिन्दू जाति वाला नहीं?

ब्राह्मण होना अलग है और पंड़ित होना अलग।

ब्रह्मज्ञानी ही ब्राह्मण कहलाने योग्य होता है। लेकिन ध्यान देना ब्रह्मज्ञानी हिन्दू या मुस्लिम नहीं होता।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

क्या मैं भी परमात्मा को पा सकता हूं?

ध्यान से देखना परमात्मा को पाना कौन चाहता है तुम या तुम्हारा अहंकार।

अगर अहंकार को त्याग दो तो तुम पूरे-पूरे परमात्मा ही हो।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

क्या हम तुम्हें सुनकर समझकर कुछ हासिल कर सकते है?

तुम किसी को सुनते ही कहाँ हो!

हाँ मरने के बाद तुम उसी का मंदिर बनाकर पूजा कर लेते हो। जिंदा तुम्हारी आंखो मे खटकते है।

फिर वो चाहे बुद्ध - महावीर हो या मोहम्मद - सुकरात हो, कबीर हो या नानक हो। कोई भी जीता जागता तुम्हे पसंद नही आता। हाँ! उन्हीं के नाम पर दुकान चलाकर तुम बहुत खुश होते हो।

parmatmana the ultimate wisdom

16/09/2024, 16:49 parmatmana book - Google Drive

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

क्या धर्म बदलने से कोई लाभ होगा?

तुम में से किसी को भी धर्म परिवर्तन की कोई आवश्यकता नहीं है धर्म बदलकर तुम कुछ भी न पाओगे।

मुसलमान आरती गाए तो तुम्हें क्या लगता है उसे राम मिल जाएंगे? नहीं! उसी प्रकार हिन्दू अगर नमाज़ पढ़े तो तुम्हे क्या लगता है उसे अल्लाह मिल जाएंगे? नही!

नही! हमें धर्म नहीं बदलता बल्कि एक दूसरे की आत्मा को अपने भीतर समाहित करना चाहिए तभी सच्चे अर्थों में हम धार्मिक हो सकते है।

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

क्या धर्म युद्ध में जान देने से स्वर्ग की प्राप्ति होती है?

यह किसी मूढ़ व्यक्ति के वचन है। कोई भी व्यक्ति अगर अपने धर्म का तो उत्थान चाहता है और दूसरे के धर्म का विनाश चाहता है तो वह व्यक्ति धार्मिक हो ही नहीं सकता। वह तो मनुष्य की अवस्था से भी नीचे गिरा हुआ है। वो किसी भी प्रकार सम्मान का पात्र नहीं, दया का पात्र है।

जिस दिन तुम्हारे सभी धर्मों की धवजाओ के उपर प्रेम लिखा होगा उसी दिन ही तुम सच्चे अर्थों में धार्मिक कहलाने के हकदार होंगे।

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana the ultimate wisdom

क्या जीवन दुख है?

तुम्हे हमेशा से ही यह समझाया गया है कि यहां इस धरा पर बार-बार आना ठीक नहीं है। जीवन दुख है। इसी कारण तुम जीवन से घृणा करने लग गए।

जिस दिन मनुष्य स्वयं से घृणा आरम्भ कर दे तो समझ लेना वह बहुत नीचे गिर चुका है, समझ लेना वो सदमार्ग पर नहीं किसी कुमार्ग पर है किसी अज्ञान ने, किसी अंधविश्वास ने उसे आ घेरा है।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

हमें कुछ भी नया क्यों अपनाना चाहिए?

आज वो समय आ गया है कि आप पुनः स्वयं पर दृष्टि दौडाए और सोचे अपने बारे में। कि क्या अभी भी आपको धर्म भीरु बनकर रहना है, समाज की रूढ़िवादी विचारधारा को ही ढोना है या उठ खड़े होकर सत्य धर्म की नींव पर एक इमारत अपनी भी बनानी है।

अगर आप आज भी नहीं जाग पाए तो न जाने फिर ये अवसर कब कितने जन्मों बाद तुम्हे प्राप्त हो। कितने जन्मों बाद मैंने इसलिए कहां कि ये बात बिलकुल सत्य है कि तुम पुनः आओगे और मनुष्य बनकर ही आओगे। नाम अलग होगा जात अलग होगी लेकिन तुम ही होंगे। अगर तुम्हारे भीतर जरा सी भी प्यास है उसकी तो जरूर आओगे। फिर तुम्हे कोई बुद्ध मिले या न मिले। इसलिये

"आज ही धार्मिक हो जाओ, आज ही जाग जाओ''।

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

क्या परमात्मा से खुदा से डरना सही नहीं है?

धार्मिक होने के लिए तुम्हें उठ खड़ा होना होगा। क्योंकि धर्म पुरुषत्व में समाया है भीरु संसार में कुछ भी नहीं पा सकते और फिर धर्म जैसी मूल्यवान वस्तु!

उसे पाना धर्म भीरुओं के लिए कैसे सम्भव हो सकता है?

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

मुक्त कौन है?

वो जो सारे बन्धन तोड़ सके और इसमें तुम्हारे धर्म के बन्धन भी आते है।

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

आज मुख्य चिंता क्या है?

आज के समय में अगर कुछ भी चिंता करने योग्य है तो वो यह है कि हमारा देश धर्म के क्षेत्र मे अग्रणी होते हुए भी धर्म के पतन का कारण बन रहा है उसका एक ही कारण है कि धर्म गुरुओं ने धर्म को पहचानना ही छोड़ दिया है और धर्म को हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई की कन्धराओं मे कैद कर रखा है। अच्छा होता कि सभी धर्म गुरु मिल कर लोगो को समझाते कि धर्म का मतलब प्रेम से होता है न कि हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई से।

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

क्या धार्मिक कथा या जागरण सही नहीं है?

हम सभी जो लोगों को कथा कहानियां सुनाकर हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई बना रहे है ये सभी पागलपन है।

parmatmana the ultimate wisdom

16/09/2024, 16:49 parmatmana book - Google Drive

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

https://docs.google.com/document/d/1tbR4zkJ_xRcz2O3LWGJ8IA1R6sj5J44vSoYkuFrQb_E/edit 553/616

धर्म किस उम्र में सीखना सही है?

खाली पेट को धर्म कैसे सिखाया जा सकता है? मेरी दृष्टि में पहले उसे पेट भरने के योग्य बनाओ। जब उसका पेट भर जाएगा तो वह स्वयं ही तुम्हारे पास आ जाएगा धर्म की खोज करने।

उस समय तुम उसे धर्म सीखाना !

हाँ ! किसी भी प्रकार की हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई रुपी मूढ़ता मत सीखाना !

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

धर्म या जीवन की आवश्यकता दोनों में से क्या आवश्यक है?

एक जगह गोलियां चली 4 व्यक्ति मरे। पोस्टमार्टम हुआ रिपोर्ट निम्न प्रकार से आई।

पहले के भीतर से आवाज आई राम, दूसरे के भीतर से आवाज आई अल्लाह, तीसरे के भीतर से आवाज आई बुद्धत्व और चौथे के भीतर से आवाज आई रोटी।

आगे अगर तुम समझदार होंगे तो पूरा समझ ही जाओगे।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

हमारा देश कब उन्नत होगा ?

अगर कुछ बुद्धिजीवी लोग सामने आऐ और वो मिलकर लोगो को समझाए कि धर्म यह हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई नही है जो तुम समझ रहे हो। यह सभी पाखण्ड़ है तो मैं मानता हुं कि निश्चित ही एक क्रान्ति का जन्म होगा।

और वो ही क्रांति देश को सही मार्ग पर ले जाएगी।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

धार्मिक कट्टरता से क्या हानि होती है?

अगर हम चाहते है कि हमारी आने वाली पीढ़ी एक सही समाज में रहे और सुखी रहे तो हम सभी को यह सोच बदलनी होगी कि हिन्दू सबसे पुराना धर्म है और एक दिन पूरी दुनिया हिन्दू हो जाएगी या इस्लाम भाई चारे को धर्म है और दुनिया को इस्लामिक होना चाहिए या मिश्नरी सेवा भाव का धर्म है तो दुनिया क्रिश्चन होनी चाहिए।

नही!

"हिन्दू से सहिष्णुता, इस्लाम से भाईचारा और क्रिश्चन से सेवा, बोध से करुणा, जैन से अहिंसा आदि गुणों को लेकर ही एक नया समाज आगे बढ़ सकता है"।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

आज धर्म क्या हो गया है?

आज धर्म केवल भ्रमात्मक हो चुका है। आज धर्म केवल पुरानी धार्मिक मान्यताएं, सिद्धान्त, रूढ़िवादी परंपरा, विचारधारा और सोए-सोए अनुष्ठान ही होकर रह गया है और तुम सोचते हो इसके दम पर कोई भी धर्म जीवित रह सकता है ?

नहीं ! यह तुम्हारी भूल है।

धर्म को जीवित करने के लिए किसी को तो अपने प्राण फूंकने पड़ेगे इसमें।

तुम उठो और आगे आओ और पुनः इसे जीवित करो।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

धर्म क्या है?

धर्म कोई हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई नही है धर्म तो एक सत्य है जिसे महसूस किया जा सकता है। धर्म तो वो सत्य है जिसके द्वारा परमात्मा को यानी स्वयं को देखा जा सकता है।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

धर्म की अनुभूति से क्या मतलब है?

जब तक तुम्हारा धर्म तुम्हे ईश्वर की अनुभूति न करा दे वो बेकार का धर्म है फिर चाहे तुम मन्दिरों मे नाचो, दिन-रात कथाऐ सुनो, पांचो समय नमाज पढ़ो या प्रत्येक रविवार अपने अपने धर्म स्थलो मे जाओ।

"वो अल्लाह जर्रे जर्रे में रसा - बसा नजर आना चाहिए"।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

क्या गीता या कुरान पढ़ना उचित नहीं है?

जो केवल पुस्तकों को धर्म के लिए पढ़ता है वो उस मजदूर की भांति है जो दिन रात चीनी की बोरियों को ढोता है पर जिसने कभी भी चीनी की मिठास को नही जाना।

धर्म तो एक स्वाद है जो चखने पर ही मिलता है।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

सोए और जागें में क्या भेद है?

जिस दिन धर्म और अंधविश्वास में भेद पता चल जाएगा उस दिन तुम सोए और जागें का भेद भी जान जाओगे।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

बिना भगवान के कैसा धर्म ?

धार्मिक होने के लिए भगवान की जरुरत नही है बल्कि तुम्हारे भक्त होने की जरूरत है।

लेकिन यह बात “कच्चे घट वाला” नही समझ सकता।

parmatmana
the ultimate wisdom

16/09/2024, 16:49 parmatmana book - Google Drive

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

समाज में यह तथाकथित कहे जाने वाले धर्म कहां से जन्मे ?

जब राम-कृष्ण थे तो हिन्दू धर्म नही था, जब बुद्ध थे तो बौद्ध धर्म नही था, जब महावीर थे तो जैन धर्म नही था, जब मोहम्मद थे तो इस्लाम धर्म नही था, जब जीजस थे तो क्रिश्चन धर्म नहीं था।

इन सभी ने राह दिखाई मुक्ति की और तुमने उन्हीं के नाम की धर्म रुपी बैढ़िया बना कर पहन ली।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

जानने वालों के वचन सुनकर कुछ लाभ होता है?

बुद्धों के वचन केवल बुद्धों की जुंबा पर ही सत्य होते है। जब कृष्ण की जिह्वा पर गीता थी तो वो ब्रह्मनाद था। वो उद्‌घोष था एक जीवित परमात्मा का।

जिन्दा व्यक्ति जिन्दा बुद्ध को तलाशते है। मरे व्यक्ति मरो की कब्रों पर जाते है।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

तुम्हारे कहने पर ही क्यों विश्वास करें?

मयखाना सामने है और तुम पीने से झिझकते हो। आज ही दो घुट पी लो, झूम लो। फिर न जाने मयखाना कब किस जन्म में मिले। उस समय तुम आओ या न आओ और साकी आए या न आए।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

परमात्मा को कहां खोजें?

परमात्मा मन्दिर, मस्जिद, गिरजे, गुरुद्वारे में न मिलेगा। लेकिन जिस दिन वो मिल जाएगा उस दिन मन्दिर, मस्जिद, गिरजे, गुरुद्वारे में भी तुम उसे देख लोगे। फिर तुम राह में पड़े पत्थरों में भी उसके पदचिन्ह खोज लोगे। जिस दिन वो मिल जाता है फिर कौन परवाह करता है सन्धया की या नही, नमाज पढ़ी या नही। जब भीतर मिलन चलता रहता है तो कैसी शिष्टता?

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

प्रेम में पागलपन की हद कहां होती है?

जिस दिन उसे पा लोगे तो एक अचम्भा घटेगा "यह बिल्कुल वैसा ही होगा जैसा अचम्भा कबीर के साथ घटा था

" एक अचम्भा मैने देखा नदिया लग गई आग"।

तुम आंख खोलोगे तो सृष्टि दिखेगी और आँख बंद करोगे तो सृष्टा दिखेगा।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

आज के कथा वक्ता क्या धार्मिक नही है?

कैसे धार्मिक बनना चाहते हो तुम? कि लोग तुम्हे धार्मिक समझे तुम पर भरोसा करें। ताकि तुम उन्हें धर्म के नाम पर लूट सकों। बुद्ध तुम्हे कभी भी धार्मिक चिन्हों से सुसज्जित नही मिलेगें और बुद्दु रोज सजे सवरे मिलेगें।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

काबा-काशी जाना गलत कैसे है?

अगर तुम गलत कदम भी बढ़ाते हो ठीक मंजिल की दिशा में। तो एक दिन मंजिल मिल ही जाती है। इसके विपरीत अगर तुम ठीक कदम भी बढ़ाते हो गलत मंजिल की दिशा में। तो भटकाव निश्चित ही है।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

तुम बातें गोल-गोल क्यों करते हो?

बुद्धो की बाते उलझाती है बुद्ध तुम्हे गोल-गोल घुमाते है ताकि तुम एक दिन इतना गोल-गोल घूम लो कि अपनी धुरी को पहचान लो। और घोषणा कर दो कि तुम्ही मूल हो।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

अब भविष्य में करोड़ों दीपक जलेगें इसका क्या मतलब है?

जब तुममे से कोई एक भी बुद्ध होता है तो वो घोषणा है कि अब लाखों करोड़ो बुद्ध होगे। लेकिन इस बात का बोध धर्म से कुछ भी लेना देना नही है। जो शब्द बुद्ध है वही शब्द प्रज्ञावान है दोनों में रत्तीभर का भी भेद नही है। लेकिन धर्म की चारदिवारी में कैद व्यक्ति इसको न समझ सकेगें। और जो चारदिवारी तोड देगें वो मेरी मधुशाला में आ जाऐगें।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

तुम एक कदम चलो वो 100 कदम चलता है इसका क्या मतलब है?

तुम परमात्मा में लीन होना चाहते हो! भूल में हो तुम। वो तुममे लीन होकर प्रकट होना चाहता है। वो इतना पास है कि उतना तुम भी स्वयं के पास नहीं।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

नाम जप से क्या लाभ?

जिन बुद्धो को वो मिल गया वो ही तुम्हे दे सकते है। उसे जपने से कुछ न होगा। उसका वर्णन करने से भी कुछ न होगा।

उसे चखो और गटक जाओ। पूरा का पूरा निगल जाओ।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

हमारे जीवन में वो घटना कब घटेगी ?

वो सुबह कभी तो आएगी जब तुम भी झूम के नाचोगें, तुम्हारी आत्मा कभी तो जागेगी।

"जो मैं कल था वो तुम आज हो और जो मैं आज हूँ वो तुम कल होगें"।

तुम्हारे और मेरे में कुछ भी भेद नहीं है, केवल दृष्टि का ही भेद है।

उठो मिटो और पुनः जन्मो।

parmatmana the ultimate wisdom

16/09/2024, 16:49 parmatmana book - Google Drive

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

क्या धर्म की रक्षा करना सही नहीं है?

जिस प्रकार अण्ड़े के भीतर रहने वाला चूजा अण्ड़े के खोल को ही बचाना चाहता है उसी प्रकार सोया-सोया व्यक्ति केवल तथाकथित धर्मो को ही बचाने की बात करता रहता है। वह समझ ही नहीं पाता कि उसके बाहर सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड, पूर्ण अस्तित्व विद्यमान है। और विराट, परमात्मा , अस्तित्व किसी भी दायरे के भीतर नही आता।

इसलिए सारे अंडे फोड़ दो।

parmatmana the ultimate wisdom

16/09/2024, 16:49 parmatmana book - Google Drive

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

खुदा का लोक कहां है?

जिस क्षण तुम्हारे प्राण अमृत की एक-एक बूंद को तरस जाएँ उसी क्षण घटना घट जाती है और तुम इस लोक से दूसरे ही लोक में पहुच जाते हो।

बस वहीं है परमात्मा का लोक।

parmatmana
the ultimate wisdom

16/09/2024, 16:49 parmatmana book - Google Drive

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana the ultimate wisdom

धर्म जन्मगत होता है?

नहीं!

धर्म जन्मगत नहीं व्यक्तिगत होता है। परमात्मा मिलता ही उनको है जो जन्मों-जन्मों से खोज रहे है और जो उसे पाने के लिए कुछ भी दांव पर लगाने को तैयार बैठे है।

"परमात्मा का अनुभव करना जुआरियों का काम है"।

अगर तुम अभी भी बचे हो तो बाहर मत निकलो मंदिर मस्जिद में शरण पाओ वही तुम बच सकते हो।

समय बदल रहा है किसी जुआरी का संग साथ हो गया तो वो तुम्हे भी जुआरी बना देगा।

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

तथाकथित धर्म में क्या कमी है?

तुम्हारा तथाकथित धर्म केवल एक औपचारिकता है, सामाजिकता है। उसमे जीवित परमात्मा का हमेशा ही अभाव रहा है और भविष्य में भी रहेगा।

“धर्म एक यात्रा है न कि व्यवसाय”।

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

कौन सा मार्ग सही है और मंजिल तक पहुंचाता है?

उस आस्तित्व को पाने का मार्ग ही नही है। तुम्हे मार्गो से हटकर चलना भी नही है केवल बैठना भर है और यही ध्यान है।

परमात्मा को पाने की सभी यात्राएं तुम्हे उससे दूर ही ले जाती है।

केवल स्वयं की ओर घूमो !

parmatmana the ultimate wisdom

16/09/2024, 16:49 parmatmana book - Google Drive

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

परमात्मा की विराटता का हमें कुछ भी अनुभव क्यों नही हो पाता?

घर के भीतर से आकाश देखोगें तो आकाश 5-7 फिट का ही दिखेगा क्योंकि खिडकी ही इतनी है। अगर उसकी विराटता देखनी है तो खिडकी से देखना बंद करो और बाहर निकलो।

ऐसे ही परमात्मा की विराटता देखनी है तो इन हिन्दू-मुस्लिम के गड्ढे से बाहर निकलों। चारों तरफ उसी का हुस्न बिखरा पड़ा है। परमात्मा भग्वा नही है और न ही खुदा हरा है। सभी रंग उसके है और जो रंगों से परे है वो भी वो है।

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

हम कृष्ण, बुद्ध, नानक, जीजस आदि महापुरुषों की पूजा क्यो करते है?

क्योंकि हमारा समाज कृष्ण, बुद्ध, नानक, जीजस जैसे महापुरुष दोबारा नहीं बना पाया।

सोचो अगर आज दुनिया में कृष्ण, बुद्ध, नानक, जीजस जैसे 100 करोड़ व्यक्ति जिन्दा घूम रहे होते तो क्या हम इन महापुरुषों के मंदिर बनातें?

parmatmana the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

आनंद, सुख कहां और कैसे मिलता है?

आनंद, सुख तो आज भी बरस रहा है केवल तुम बस वहां नहीं हो। तुम खोए हो जप-तप कर, नमाज़ पढ़ भविष्य में सुखी होने की कल्पना लिए।

आनंद, सुख वर्तमान में है भविष्य में नहीं।

parmatmana
the ultimate wisdom

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

क्या चाय पीना धर्म में पाप है उससे कुछ हानि होती है? जैसा कृष्ण भक्ति वाले लोग कहते है?

नहीं !

उन लोगों को कुछ भी नहीं पता, चाय नहीं "चाह" छोड़नी थी। वो बेचारे चाय तक में ही उलझ कर रह गए। दरअसल अगर गुरु ही अज्ञानी हो तो वो ऐसा कुआं खोद जाता है जिसमे उसके सारे शिष्य पूरा जीवन ही भटकते रहते है।

parmatmana
the ultimate wisdom

16/09/2024, 16:49 parmatmana book - Google Drive

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

parmatmana
the ultimate wisdom

जिस दिन मेरी यह बातें तुम्हें समझ आने लगेगीं उस दिन तुम्हारा भी जीवन बदल जाएगा। तुम भी क्रांति की मशाल जला लोगें और अपना जीवन परिवर्तित कर लोगे। वरना तो पूरा देश नरक में, दुख में, अपराध बोध में, अज्ञानता में, भूत के सुन्दर स्वप्न में और भविष्य की कल्पनाओं में जी रहा है। 5500 वर्षो का इतिहास है हमारा फिर भी हम पिछड़े हुए है।

मैं भारत को फिर जवान बना हुआ देखना चाहता हूं। जहां फिर से अमन हो शांति हो, भाई चारा हों।